दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-57 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 08 अप्रैल 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

विविध-समाचार

अमरावती बनी आंध्र प्रदेश की आधिकारिक राजधानीः राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद नया कानून लागू

नईदिल्ली (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश की राजधानी के रूप में अमरावती को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई है। उनके हस्ताक्षर के बाद सोमवार को केंद्रीय विधि मंत्रालय द्वारा

अधिसूचना जारी की गई। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अधिसूचना को एक्स पर साझा कर लिखा, आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती है। पिछले दिनों संसद के बजट सत्र के दौरान आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम संशोधन विधेयक 2026 को दोनों सदनों में बहुमत से पारित किया गया था।वर्ष 2014 में आंध्र प्रदेश से तेलंगाना राज्य निकला। तब हैदराबाद तेलंगाना की राजधानी बनी, लेकिन आंध्र के पास स्थायी राजधानी न होने से 10 साल तक हैदराबाद दोनों की संयुक्त राजधानी रही। नायडू अमरावती को राजधानी बनाने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन वर्ष 2019 में जगन मोहन रेड्डी की सरकार आने के बाद अमरावती में विकास रुक गया। उन्होंने 3 राजधानी मॉडल दिया, जिसमें विशाखापट्टनम को कार्यकारी राजधानी, अमरावती को विधायी राजधानी और कुर्नूल को न्यायिक राजधानी बनाया।

नागपुर में आरएसएस मुख्यालय के पास विस्फोटक का जखीरा मिला, इलाके में अलर्ट जारी

नागपुर ,(आरएनएस)। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यालय से 2 किलोमीटर दूर विस्फोटकों का जखीरा मिलने से हड़कंप मच गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इलाके में नियमित निगरानी के दौरान विस्फोटक सामग्री देखी गई थी, जिसके बाद तुरंत बम निरोधक दस्ते और फोरेंसिक टीमों बुलाया गया। इलाके में घेराबंदी की गई और अलर्ट जारी किया गया है। इलाके में और विस्फोटक की संभावना को देखते हुए बड़ा तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

क्रिकेट मैदान पर हत्या, मैच के दौरान एक रन के विवाद में युवक के सीने में घोंपा चाकू

विशाखापत्तनम (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। रविवार को एक स्थानीय क्रिकेट मैच के दौरान महज एक रन के विवाद ने इतना तूल पकड़ा कि एक 23 वर्षीय युवक को अपनी जान गंवानी पड़ी। घटना रविवार की है। विशाखापत्तनम के एक निजी मैदान पर दो स्थानीय टीमों के बीच क्रिकेट मैच खेला जा रहा था। मैच के दौरान एक रन को लेकर खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। विवाद बढ़ता देख अंपायर चिरंजीवी ने बीच-बचाव किया और मामला शांत कराने की कोशिश की।

गोवा में रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात

बिजनेसमैन के बेटे ने बाइक पर चढ़ाई मिनी कूपर कार, 23 साल की लड़की की मौत

पणजी,(आरएनएस)। नॉर्थ गोवा में तेज रफ्तार लग्जरी कार (मिनी कूपर) ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे फाइव स्टार होटल की 23 वर्षीय महिला कर्मचारी की मौत हो गई जबकि उसका पुरुष सहकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया। कार एक बिजनेसमैन का बेटा चला रहा था। पुलिस ने 22 वर्षीय डेरियस डायस को इस दुर्घटना के संबंध में गिरफ्तार किया है।यह हादसा रविवार रात पणजी के पास डोना पाउला इलाके में हुआ। महिला कर्मचारी उसका पुरुष सहकर्मी नाइट शिफ्ट पूरी करने के बाद घर लौट रहे थे। इसी दौरान मिनी कूपर कार चला रहे डायस ने बाइक को टक्कर मार दी।

मणिपुर में 2 मासूम बच्चों की हत्या के बाद हालात तनावपूर्ण, ट्रकों में लगाई आग, 5 जिलों में इंटरनेट बंद, कर्फ्यू लगा

इम्फाल (आरएनएस)। मणिपुर में 2 मासूम बच्चों की हत्या के बाद हालात तनावपूर्ण, ट्रकों में लगाई आग, 5 जिलों में इंटरनेट बंदइम्फाल: मणिपुर की राजधानी इम्फाल समेत सूबे के 5 जिलों में हिंसक घटना के बाद हालात बिगड़ गए हैं। प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इम्फाल वेस्ट, इम्फाल ईस्ट, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों में 3 दिन के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं। यह प्रतिबंध मंगलवार दोपहर 2 बजे से लागू किया गया। बता दें कि सरकार ने इस मामले को जांच के लिए एनआईए को सौंपने का फैसला किया है। सरकार ने अपने आदेश में कहा है कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए आशंका है कि कुछ असामाजिक तत्व वॉट्सऐप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म का गलत इस्तेमाल कर सकते हैं।सरकार ने कहा है कि इन माध्यमों से अफवाहें, नफरत फैलाने वाले संदेश और भड़काऊ वीडियो फैलाकर माहौल खराब किया जा सकता है। आदेश में कहा गया है कि ऐसी गतिविधियों से राज्य में शांति और कानून-व्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है। इसलिए अफवाहों और गलत सूचनाओं को रोकने के लिए इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद करना जरूरी हो गया है, ताकि लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। बता दें कि यह फैसला 2 मासूम बच्चों की हत्या की एक दर्दनाक घटना के बाद लिया गया है।

केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता जगत प्रकाश नड्डा और मनसुख मंडाविया पुडुचेरी में अरुलमिगु मनकुला विनयगर देवस्थानम मंदिर के दौरे के दौरान।

दिल्ली में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के घर पहुंची असम पुलिस

नईदिल्ली (आरएनएस)। असम पुलिस मंगलवार को दिल्ली में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के आवास पहुंची है। उनके साथ दिल्ली पुलिस के अधिकारी भी हैं। बताया जा रहा है कि पुलिस खेड़ा से

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा पर लगाए गए आरोपों पर पूछताछ करना चाहती है। असम से 4 पुलिस अधिकारी दिल्ली आए हैं। उन्होंने यहां पहुंचने से पहले ही स्थानीय पुलिस को सूचित कर दिया था, जिसके बाद वे साथ में निजामुद्दीन स्थित आवास पहुंचे हैं।बताया जा रहा है कि खेड़ा घर पर मौजूद नहीं हैं, वह बाहर गए हुए हैं। हालांकि, पुलिस अधिकारी उनका इंतजार कर रहे हैं ताकि उनसे मुलाकात हो सके।कुछ रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि पुलिस खेड़ा को अपने साथ गुवाहाटी ले जा सकती है। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। कांग्रेस के अन्य नेताओं के खेड़ा के आवास पहुंचने की संभावना है। दिल्ली पुलिस से भी संबंधित मामले में जानकारी ली जा रही है। कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन खेड़ा ने असम विधानसभा चुनाव से पहले सरमा और उनकी पत्नी पर विदेशों में बड़ी संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया है।

कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा के नेटवर्क का भंडाफोड़, 16 साल से फरार चल रहे आतंकी सरगना अबू हुरैरा समेत 5 गिरफ्तार

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू और कश्मीर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा के एक अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। श्रीनगर से अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अब्दुल्ला पिछले 16 सालों से फरार था। अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के बाहर लश्कर-ए-तैयबा के ठिकाने बनाने में कामयाब रहा था। पुलिस ने कहा कि अब्दुल्ला के अलावा एक अन्य पाकिस्तानी आतंकवादी उस्मान उर्फ खुबैब को भी इस बड़े अभियान में गिरफ्तार किया है। इस बड़ी कार्रवाई में जम्मू और कश्मीर पुलिस के साथ-साथ केंद्रीय एजेंसियों ने भी भाग लिया। जांच एजेंसियों ने जम्मू और कश्मीर, राजस्थान और हरियाणा सहित 19 जगहों की छापेमारी की गई। साथ ही आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की है।जांच में लश्कर-ए-तैयबा के एक गहरे नेटवर्क का खुलासा हुआ, जो आतंकवादियों को सामान और वित्तीय सहायता प्रदान करने में शामिल था। अधिकारियों ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पकड़े गए पांच लोगों में तीन श्रीनगर के रहने वाले हैं।इसके साथ ही उन्होंने बताया कि मोहम्मद नकीब भट, आदिल राशिद भट और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा को आतंकवादियों को आश्रय और भोजन सहित रसद सहायता प्रदान करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

सशक्त और परिपक्व हो रहा है भारतीय लोकतंत्र : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विधानसभा में हुई नव गठित सभा समितियों की पहली बैठक

भोपाल(आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश का लोकतंत्र सशक्त हो रहा हैं। हमारा लोकतंत्र निरंतर परिपक्व हो रहा है। लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभा अभिव्यक्ति के प्रमुख मंच हैं। विपक्ष की सकारात्मक आलोचना का भी इन सदनों के सत्रों में स्वागत किया जाता है। कई बार सदस्यों की अभिव्यक्ति और दिए गए सुझावों से सही दिशा में कार्य करना संभव हो जाता है। मध्यप्रदेश सरकार, मध्यप्रदेश विधानसभा की विभिन्न समितियों के सुझावों पर कदम उठाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मध्यप्रदेश विधानसभा द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए नवगठित सभा समितियों की संयुक्त बैठक को विधानसभा में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर को विधानसभा समितियों की संयुक्त बैठक आहूत करने के लिए बधाई दी। उन्होंने सभी नवगठित समितियों के सभापतियों और सदस्यों को मंगलकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य के साथ ही अन्य राज्यों में भी इन समितियों के भ्रमण होते हैं। विधानसभा का गत दिसम्बर माह में विशेष सत्र हुआ था, जो एक श्रेष्ठ परम्परा के रूप में हमारे सामने उदाहरण है। विभिन्न समितियां अपनी सक्रिय भूमिका से योजनाओं के आंकलन और विश्लेषण का दायित्व निभाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा व्यक्त की कि मध्यप्रदेश विधानसभा के वर्तमान सदस्यों का कार्यकाल स्वर्णिम होगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लोकतंत्र में बहनों की भागीदारी को महत्वपूर्ण बनाने की पहल की है। पूरे देश में विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के नेतृत्व में महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं। आने वाले समय में संसद में एक तिहाई स्थानों पर महिलाओं की भूमिका होगी। इसके लिए अप्रैल माह में ही संसद का विशेष सत्र हो रहा है।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा को बड़ी मजबूती : गुजरात पहुंच रहा एलपीजी से भरा 'ग्रीन सान्वी' जहाज

भारतीय नौसेना की सुरक्षा में दहेज पोर्ट पहुंचेगा जहाज, 46,650 मीट्रिक टन गैस से देश को मिलेगी बड़ी राहत

अहमदाबाद (ए.)। भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में समुद्री आयात की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद भारत अपनी ईंधन आपूर्ति को बनाए रखने में सफल रहा है। इसी कड़ी में 'ग्रीन सान्वी' नामक विशाल जहाज का आगमन एक अहम उपलब्धि माना जा रहा है। गुजरात के भरूच जिले स्थित दहेज पोर्ट पर जल्द ही यह जहाज लंगर डालेगा। इस जहाज में लगभग 46,650 मीट्रिक टन एलपीजी (रसोई गैस) लदी हुई है, जो देश में गैस की निरंतर सप्लाई बनाए रखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी।वर्तमान समय में अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर सुरक्षा को लेकर खतरे बढ़ गए हैं, खासकर हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में। ऐसे में 'ग्रीन सान्वी' का सुरक्षित रूप से

इस मार्ग को पार करना भारत की मजबूत रणनीति और सैन्य क्षमता को दर्शाता है। इस पूरे अभियान में भारतीय नौसेना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जहाज को समुद्री लुटेरों और संभावित हमलों से बचाने के लिए नौसेना लगातार निगरानी करती रही। उनकी सुरक्षा में यह जहाज सुरक्षित रूप से भारत की ओर रवाना हुआ।इसके साथ ही 'ग्रीन आशा' नामक एक अन्य जहाज भी इसी मार्ग से सुरक्षित गुजर चुका है। यह दोनों जहाज भारत की समुद्री सुरक्षा व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों पर मजबूत पकड़ का प्रमाण हैं।

महाठग सुकेश चंद्रशेकर को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जमानत मिली

नई दिल्ली,(आरएनएस)। महाठग सुकेश चंद्रशेखर को राउज एवेन्यू कोर्ट से जमानत मिल गई है। गौरतलब है कि सुकेश पर आरोप हैं कि उसने तमाम लोगों को करोड़ों का चूना लगाया है और ठगी के मामलों में उसका दिमाग बहुत तेज चलता है। उसका नाम बॉलीवुड से लेकर अन्य बड़े सोशल सर्किल में भी चर्चा में रह चुका है।महाठग सुकेश चंद्रशेखर को पीएमएलए (मनी लॉन्ड्रिंग) मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने जमानत दे दी है। यह मामला दो पत्ती चुनाव चिह्न (एआईएडीएमके के चुनाव चिन्ह से जुड़ा कथित रिश्वत/धोखाधड़ी केस) से जुड़ा है।

सबसे अधिक वोट मुस्लिम और अल्पसंख्यकों के काटे गएः ममता बनर्जी

नदिया (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि राज्य में मतुआ,राजबंशी और अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाकर एसआईआर के बाद वोटर लिस्ट से नाम हटाए जा रहे थे। चकदा में एक रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि टीएमसी उन लोगों के साथ खड़ी रहेगी जिनके नाम विशेष गहन मतदाता सूची संशोधन के बाद मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। सीएम ममता ने सवाल उठाते हुए कहा कि, यह भेदभाव क्यों? आप मतुआ, राजबंशी और अल्पसंख्यकों को अलग-थलग कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि लोग इसे नहीं समझते? मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि मुर्शिदाबाद, माल्दा और उत्तर दिनाजपुर जैसे महत्वपूर्ण अल्पसंख्यक आबादी वाले जिलों में, मतदाताओं की सूची से नामों को सिर के जूं की तरह चुनकर हटा दिया गया।

दिल्ली समेत 20 राज्यों में बारिश-अंधड़ और ओलावृष्टि का अलर्ट

नईदिल्ली(आरएनएस)। नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के चलते सुबह-सुबह कई राज्यों में बारिश शुरू होने से मौसम बदल गया है। कई स्थानों पर बादल छाए हुए हैं, जिससे अप्रैल में ही मानसून आने का अहसास हो रहा है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने आज हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान समेत 20 राज्यों में बारिश के साा आंधी ओर ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा, 8 अप्रैल को भी मौसम खराब रहने के आसार हैं।

दिल्ली में आज सुबह कई इलाकों में सुबह हल्की बारिश देखने को मिली। 7-8 अप्रैल को तेज हवाएं चलने के साथ बादल छाने और बारिश होने के अलावा कहीं बौछारें पड़ने और ओले गिरने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, 7 अप्रैल को न्यूनतम तापमान 20 डिग्री और अधिकतम 31 डिग्री रह सकता है, जबकि 8 अप्रैल को इसमें गिरावट आ सकती है। मौसम में आए बदलाव के कारण वायु की गुणवत्ता में भी थोड़ा सुधार हुआ है।आईएमडी के मुताबिक, आज हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर और उत्तराखंड में भारी बारिश का अलर्ट है। साथ ही इन राज्यों में 10 अप्रैल तक बर्फबारी या ओलावृष्टि होने की भी संभावना बनी हुई है। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड़, राजस्थान और ओडिशा में 7-9 अप्रैल के बीच बादलों के बरसने के पूरे आसार हैं। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और दक्षिण राज्यों में मेघ मेहरबान होंगे और कहीं-कहीं ओले गिर सकते हैं।

बुजुर्ग महिला को चलती कार से फेंका

भोपाल (आरएनएस)। लहारपुर ब्रिज के पास अज्ञात कार सवारों ने 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला को चलती कार से बाहर फेंक दिया। सीने में स्टेप्लर की पिन चुभी हुई थीं। खून से लथपथ थी। तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि 22 घंटे बेहोश रहने के बाद अब महिला हॉस्पिटल से लापता हो गई है। मामला बाग सेवनिया थाना क्षेत्र का है।जानकारी के मुताबिक, रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब ढाई बजे एक तेज रफ्तार कार लहारपुर ब्रिज के पास नाले के किनारे पहुंची। कार की रफ्तार धीमी करते ही आरोपियों ने बुजुर्ग महिला को बाहर फेंक दिया। कार को तेजी से लेकर फरार हो गए।इस पूरी घटना को एक स्थानीय महिला ने देखा। उसने तुरंत आसपास के लोगों को जानकारी दी। इसके बाद मोहल्ले के लोगों ने एक स्वयंसेवी संस्था 'चित्रांश ह्यूमन वेलफेयर' को सूचना दी, ताकि घायल महिला की मदद की जा सके।महिला बेहोशी की हालत में है और अपना नाम नहीं बता पा रही है। वह केवल सलकनपुर शब्द ही बोल पा रही है। उसके हाथ पर नाम गुदा हुआ मिला है। हालांकि, वह कहां की रहने वाली है और उसकी पहचान क्या है। यह अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है।

धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के प्रवेश अधिकार से जुड़े मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने की सुनवाई

-सरकार ने भारत में धार्मिक विविधता का दिया उदाहरण

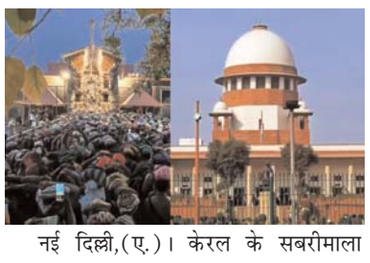

नई दिल्ली,(ए.)। केरल के सबरीमाला मंदिर समेत तमाम धार्मिक स्थलों पर महिलाओं को प्रवेश के समान अधिकार से जुड़े मामलों पर सुप्रीम कोर्ट में 9 जजों की संविधान पीठ ने मंगलवार को सुनवाई शुरू की। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ में जस्टिस बीवी नागरत्ना, एमएम सुंदरेश, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, अरविंद कुमार, एजी मसीह, प्रसन्ना बी वराले, आर महादेवन और जॉयमाल्य बागची भी शामिल हैं।इस मामले की सुनवाई में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दलीलें रखीं। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि कोर्ट को 'धार्मिक संप्रदाय' और 'आवश्यक धार्मिक प्रथा' की संकीर्ण व्याख्या से बचना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि अगर इन अवधारणाओं को बहुत सख्ती से लागू किया गया, तो हिंदू धर्म पर इसका प्रतिकूल असर पड़ सकता है। केंद्र ने धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का हवाला देते हुए कहा कि इस मामले में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। हालांकि, केंद्र सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि वह इस मामले में किसी एक पक्ष के साथ खड़ी नहीं है, बल्कि केवल संवैधानिक प्रश्नों पर अपनी राय रख रही है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुनवाई के दौरान केंद्र ने भारत की धार्मिक विविधता का उदाहरण देते हुए अजमेर दरगाह और शिरडी साईबाबा मंदिर का उल्लेख किया। मेहता ने कहा कि भारत में कई धर्मों और संप्रदायों के लोग ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह या निजामुद्दीन औलिया की दरगाह पर दर्शन करने जाते हैं। इससे यह साबित होता है कि भारत में धार्मिक पहचान और आस्था का ढांचा बेहद जटिल और बहुस्तरीय है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग एक अलग संप्रदाय का रूप ले लेते हैं, लेकिन वे बड़े धार्मिक ढांचे का हिस्सा भी बने रहते हैं।

मध्य प्रदेश के सभी जिलों में 8 से 14 अप्रैल तक मनाई जाएगी डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती

- भिंड में होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम, मुख्यमंत्री ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले प्रभारी मंत्रियों को दिए आवश्यक निर्देश

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर 14 अप्रैल को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। डॉ. अंबेडकर जयंती के कार्यक्रम 8 अप्रैल से आरंभ होकर 14 अप्रैल तक चलेंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम भिंड जिला मुख्यालय पर होगा। जिला मुख्यालयों सहित सभी विकासखंडों में भी अंबेडकर जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रभारी मंत्रियों को अपने प्रभार के जिले के कार्यक्रमों की रूपरेखा तय कर, आवश्यक समन्वय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संत रविदास जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 31 मार्च 2027 तक सामाजिक समरसता कार्यक्रमों का आयोजन संपूर्ण प्रदेश में किया जाएगा। कार्यक्रमों की रूपरेखा जिला स्तर पर तैयार होगी। मुख्यमंत्री ने प्रभारी मंत्रियों को सामाजिक समरसता कार्यक्रमों का जिला स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश को सड़कों की सौगात देने के लिए प्रधामनंत्री मोदी का माना आभार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बीता सप्ताह मध्य प्रदेश के लिए शुभ रहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रदेश को नए फोरलेन मार्गों की कई स्वीकृतियां प्रदान कर सौगातें दी। एन.एच. 46 के इटारसी-बैतूल सेक्शन में 758 करोड़ रुपये लागत के 22 किलोमीटर लंबे टाइगर कॉरिडोर को स्वीकृत किया गया। इसी तरह प्रदेश के निवाड़ी और उत्तर प्रदेश के झांसी को जोड़ने वाले 15.6 किलोमीटर लंबे फोरलेन दक्षिणी बाइपास के निर्माण और बंगाय खास से ओरछा तिगेला के निर्माण तथा एन.एच. 44 और एन.एच. 39 को जोड़ने वाली लिंक रोड के लिए 631.73 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इन स्वीकृतियों से प्रदेश के व्यापारिक, आर्थिक, पर्यटन इत्यादि सभी तरह की गतिविधियों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने इन सौगातों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार माना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में हुए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन महाकाल द मास्टर ऑफ टाइम के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि सम्मेलन में प्रख्यात खगोल, वैज्ञानिकों द्वारा भारतीय काल गणना की वैज्ञानिकता और प्राचीन श्रेष्ठता पर गहन मंथन किया गया। उज्जैन नगरी लंबे समय तक काल गणना का केंद्र रही है, भूमध्य रेखा और कर्क रेखा का कटाव केंद्र बिंदु जो पहले उज्जैन में था अब उज्जैन से 32 किलोमीटर दूर डोंगला में शिफ्ट हो गया है। उज्जैन की गौरवशाली पहचान को विश्व पटल पर पुन: स्थापित करना भी कार्यक्रम का उद्देश्य था। मुख्यमंत्री ने कहा कि 31 मार्च को वाराणसी में एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन हुआ। यह सम्मेलन मुख्यत: एक जिला-एक उत्पाद, जीआई टैग उत्पादों, निर्यात योग्य उत्पादों, पारम्परिक शिल्प और क्षेत्रीय विशेषताओं को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने पर केंद्रित रहा। दोनों राज्यों के विशिष्ट उत्पादों को प्रोत्साहन देते हुए उनके ब्रांडिंग, विपणन एवं निर्यात को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया। औद्योगिक सहयोग, निवेश संवर्धन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं पर्यटन विकास को नई गति प्रदान करने के उद्देश्य से विचार-विमर्श हुआ।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने आज लोकभवन में सौजन्य भेंट की

जैविक हाट बाजारों से मिल रही जैविक खेती को बढ़ावा : कृषि मंत्री श्री कंषाना

उपभोक्ताओं को उपलब्ध हो रहे शुद्ध उत्पाद

भोपाल(ए.)। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि प्रदेश में जैविक हाट-बाजारों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। किसानों को उचित बाजार उपलब्ध हो रहा है। उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं रसायन-मुक्त उत्पाद सुलभ कराने के उद्देश्य से लगाये जा रहे जैविक हाट में किसान अपने उत्पाद जैसे ताजी सब्जियां, फल, दालें, अनाज, मसाले एवं अन्य घरेलू उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं को उपलब्ध करा रहे हैं।कृषि मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि जैविक हाट की विशेषता यह है कि यहां उत्पाद बिना किसी बिचौलिये के सीधे किसानों से खरीदे जा सकते हैं, जिससे किसानों को उचित मूल्य प्राप्त होता है और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण सामग्री उचित दर पर मिलती है। जैविक हाट-बाजार मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में जिला प्रशासन की विशेष पहल है। लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाये रखने के लिए जैविक हाट-बाजार उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं।कृषि उपज मंडी परिसर जबलपुर में विगत दिवस जैविक हाट का सफल आयोजन किया गया। जैविक हाट में उपभोक्ताओं की संख्या में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। यह लोगों में स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता और जैविक उत्पादों की मांग को दर्शाता है।

कायस्थ महापरिषद म.प्र. का प्रांतीय अधिवेशन चित्रांश मंगल भवन जवाहर चौक पर आयोजित किया गया

युवाओं को आधुनिक तकनीकी व प्रशिक्षण से लैस करना हमारा लक्ष्य : विलक्षण सक्सेना

युवाओं को स्वावलंबी बनाने युवाओं को स्व रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने प्रेरित करें : इंजी. मयंक श्रीवास्तव

भोपाल। कायस्थ महापरिषद मध्यप्रदेश का प्रांतीय अधिवेशन विगत दिनांक 05 अप्रैल 2026 को चित्रांश मंगल भवन जवाहर चौक पर आयोजित किया गया। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजीनियर मयंक श्रीवास्तव एवं कार्यक्रम के आयोजक एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम में प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में राष्ट्रीय अध्यक्ष मयंक श्रीवास्तव ने सामाजिक बंधुओं से अपील की कि वे युवाओं को स्वावलंबी बनाने पर जोर दें। युवाओं को स्व रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने प्रेरित करें। युवा स्वावलंबी बनेगा तो समाज मजबूत होगा।

दूसरी तरफ प्रदेश अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने कहा कि समाज के सर्वाहारा वर्ग को सहारा नहीं बल्कि सहयोगी की भूमिका का सामाजिक बंधु अहसास कराएं। संगठन के युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष विलक्षण सक्सेना ने कहा कि वे युवाओं को आधुनिक तकनीकी से लैस करने के लिए वृहद प्रशिक्षण के पक्षधर हैं, और इसके लिए उनकी टीम प्रयास भी कर रही है। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर एवं प्रदेश स्तर के पदाधिकारी गण उपस्थित हुए राष्ट्रीय महामंत्री दिनेश माथुर गोपाल मोहन जोहरी उपाध्यक्ष कार्यकारी अध्यक्ष मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव डॉक्टर अर्चना सहाय एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी के बहुत अधिक मात्रा में पदाधिकारी थे। प्रदेश पदाधिकारी में महामंत्री मनीष माथुर प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेश वर्मा मीडिया प्रभारी दिनेश खरे, ओम प्रकाश श्रीवास्तव, बसंत श्रीवास्तव, रामसरण खरे संजय श्रीवास्तव।

भोपाल में खुलेगा वित्तीय प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान : उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भोपाल में वित्तीय प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान (फाइनेंस ट्रेंनिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट) खोले जाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। आज मंत्रि-परिषद की बैठक में एफटीआरआई की स्थापना के संबंध में अपनी स्वीकृति भी प्रदान कर दी है। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने वित्तीय प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान की स्थापना की स्वीकृति लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव और मंत्रि-परिषद का आभार माना है। उप मुख्यमंत्री श्री देवडा ने कहा कि इसका उद्देश्य राज्य की वित्तीय शासन प्रणाली एवं प्रशासनिक दक्षता को सुदृढ़ करना है। वर्तमान में प्रदेश में 7 संभागीय लेखा प्रशिक्षण शालाएँ संचालित हैं। इनमें प्रशिक्षण का मानकीकरण, आधुनिक डिजिटल दक्षता तथा शोध एवं नवाचार के पर्याप्त समावेश का अभाव है। इनके कार्य को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए एक एकीकृत, आधुनिक एवं उच्च गुणवत्ता वाली संस्थागत व्यवस्था की आवश्यकता है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने बताया कि संस्थान को प्रशिक्षण, शोध, नीति समर्थन एवं नवाचार के राष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्टता केन्द्र सेन्टर फॉर एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जायेगा। इसके लिये राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंध संस्थान (NIFM), भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) और नाबार्ड (NABARD) आदि प्रतिष्ठित संस्थानों से समन्वय किया जाएगा।

अक्षय तृतीया पर बच्चों की शादी की तो खैर नहीं

- 181 और 1098 पर एक कॉल और रुक जाएगा विवाह

भोपाल (ए.)। अक्षय तृतीया (20 अप्रैल) पर होने वाले सामूहिक विवाह में बाल विवाहों को रोकने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग निगरानी कड़ी करने जा रहा है। सभी जिलों में नियंत्रण कक्ष और उडऩदस्ते गठित किए जाएंगे, जिससे सूचना पर तुरंत मौके पर पहुंचकर बाल विवाह रुकवाया जा सके। सचिव महिला एवं बाल विकास जीवी रश्मि ने सभी कलेक्टरों को पत्र लिखकर बाल विवाह रोकथाम के लिए व्यापक अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। अक्षय तृतीया को ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में पंच, सरपंच, सचिव और पार्षद बाल विवाह नहीं होने देने की शपथ लेंगे।

अक्षय तृतीया को प्रदेश में बड़ी संख्या में सामूहिक विवाह होते हैं। इनमें बाल विवाह होने की संभावना को देखते हुए प्रशासन को विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। स्कूल-कॉलेजों में विद्यार्थियों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाएगा। पंचायत और वार्ड कार्यालयों में इसका प्रचार-प्रसार किया जाएगा। जागरूकता रैलियां, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा समूह चर्चा, 18 वर्ष से कम उम्र की किशोरियों की सूची तैयार कर संबंधित परिवारों को समझाइश दी जाएगी तथा उन पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।

ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी

बाल विवाह की सूचना हेल्पलाइन नंबर 181, 1098 और 112 पर दी जा सकेगी। प्रत्येक ग्राम और वार्ड में सूचना दल बनाए जाएंगे, जिनमें शिक्षक, एएनएम, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्व-सहायता समूह की महिलाएं और पंचायत प्रतिनिधि शामिल होंगे। इन दलों का मुख्य कार्य संदिग्ध मामलों की पहचान करना और प्रशासन को समय रहते सूचित करना होगा ताकि किसी भी मासूम का भविष्य बर्बाद होने से बचाया जा सके।

NITTTR भोपाल के 62वें स्थापना दिवस पर तकनीकी शिक्षा को मिला नया आयाम

मंत्री श्री परमार की सहभागिता 'ई-प्रशिक्षण' पोर्टल पर 11 नए MOOCs कोर्सेस का हुआ शुभारंभ

भोपाल (ए.)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल के 62वें स्थापना दिवस समारोह में सहभागिता की। इस अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन, शिक्षक प्रशिक्षण की सुदृढ़ता और तकनीकी शिक्षा के समग्र उन्नयन के प्रति प्रदेश की प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। मंत्री श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का वास्तविक क्रियान्वयन शिक्षकों के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने कहा कि शिक्षक इस नीति के मूल संवाहक हैं, जिनकी गुणवत्ता, दक्षता एवं दृष्टिकोण सीधे तौर पर विद्यार्थियों के भविष्य को आकार देते हैं। मंत्री श्री परमार ने बदलते वैश्विक परिदृश्य में शिक्षा को अधिक प्रासंगिक और प्रभावी बनाने के लिए संस्थानों के बीच समन्वय, संसाधनों के साझा उपयोग और नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। मंत्री श्री परमार ने संस्थान के 'ई-प्रशिक्षण' डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 11 नए मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेस (MOOCs) का शुभारंभ किया। ये कोर्सेस ग्रीन एनर्जी टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिक व्हीकल, डिजिटल CMOS, ड्रोन टेक्नोलॉजी, ऑगमेंटेड एवं वर्चुअल रियलिटी तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग जैसे उभरते क्षेत्रों पर आधारित हैं, जो शिक्षकों और विद्यार्थियों को नवीनतम ज्ञान एवं कौशल से सुसज्जित करेंगे।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का सरकार पर हमला, किसान, न्याय व्यवस्था और लोकतंत्र पर उठाए सवाल

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मंगलवार को भोपाल में मीडिया से चर्चा करते हुए कई अहम मुद्दों पर भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने गेहूं खरीदी में देरी, दतिया प्रकरण, राज्यसभा चुनाव और आरएसएस जैसे विषयों पर तीखी प्रतिक्रिया दी।उमंग सिंघार ने कहा कि प्रदेश के किसान लगातार सरकार की उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि गेहूं खरीदी की तारीखें बार-बार बदली जा रही हैं। पहले मार्च, फिर 1 अप्रैल, 10 अप्रैल और अब 9 अप्रैल तय की गई है। इस बीच बारिश से किसानों की फसल खराब हो रही है, लेकिन सरकार केवल घोषणाएं कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार किसानों की आवाज उठा रही है और उन्होंने स्वयं भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर किसानों की समस्याओं से अवगत कराया है।सिंघार ने सवाल उठाया कि भाजपा से जुड़े किसान संगठन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि क्या किसानों की चिंता सिर्फ चुनाव के समय ही की जाती है?

दतिया मामले में न्याय की उम्मीद

नेता प्रतिपक्ष ने दतिया मामले का जिक्र करते हुए कहा कि देश में चुनावी सत्तावाद की स्थिति बनती जा रही है और संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि कांग्रेस की लड़ाई है और उन्हें न्यायपालिका से जल्द न्याय मिलने की उम्मीद है।

राज्यसभा चुनाव पर 'हॉर्स ट्रेडिंग' का आरोप

सिंघार ने आरोप लगाया कि भाजपा का इतिहास सरकारें गिराने और विधायकों की खरीद-फरोख्त से जुड़ा रहा है, ऐसे में राज्यसभा चुनाव में हॉर्स ट्रेडिंग की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। हालांकि उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है और सभी विधायक पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करेंगे।

खड़गे के बयान का समर्थन

सिंघार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आरएसएस पर दिए बयान का समर्थन करते हुए कहा कि संघ जैसे पुराने संगठन का अब तक औपचारिक पंजीकरण नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि आजादी के बाद लंबे समय तक संघ के कार्यालय पर तिरंगा नहीं फहराया गया, जो एक गंभीर विषय है। अंत में सिंघार ने कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी और जनता से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाती रहेगी।

भोपाल में लोक भवन के सामने फूटी पाइपलाइन, 150 मीटर सड़क धंसी, जर्जर हिस्से से ही गुजरी विधानसभा अध्यक्ष की गाड़ी

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मंगलवार दोपहर लोक भवन (राजभवन) के सामने अचानक सड़क धंस गई। जिससे सड़क के नीचे से गुजर रही पानी की पाइपलाइन फटने से कुछ ही मिनटों में पूरा इलाका पानी से लबालब हो गया और करीब 150 मीटर सड़क तालाब में तब्दील हो गई। घटना करीब दोपहर डेढ़ बजे की बताई जा रही है। घाटी से बड़े तालाब तक जाने वाली बिना फिल्टर पानी की पाइपलाइन में लीकेज होने के बाद तेज दबाव के कारण वह फट गई। तेज बहाव ने सड़क के नीचे की मिट्टी को कमजोर कर दिया, जिससे सड़क का बड़ा हिस्सा धंस गया। हालात ऐसे हो गए कि सड़क पर करीब एक फीट तक पानी भर गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जिस वक्त सड़क धंसी, उस समय वहां से कोई वाहन नहीं गुजर रहा था। यदि उस समय ट्रैफिक होता, तो गंभीर हादसा हो सकता था। हैरानी की बात यह रही कि सड़क धंसने और पानी भरने के बावजूद ट्रैफिक को तुरंत डायवर्ट नहीं किया गया। इसी दौरान विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर का काफिला भी इसी जर्जर हिस्से से गुजर गया। लगातार वाहन निकलते रहे, जिससे खतरा और बढ़ गया।तेज पानी के बहाव ने सड़क किनारे का मलबा, पत्थर और गिट्टी बहाकर सड़क पर फैला दिया, जिससे रास्ता बेहद फिसलन भरा हो गया। कई दोपहिया वाहन चालक फिसल गए, जबकि कुछ लोग बाल-बाल बच गए।

प्रशासन मौके पर, मरम्मत शुरू

घटना की सूचना मिलते ही नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और पाइपलाइन की मरम्मत का काम शुरू किया गया। सुरक्षा के लिहाज से क्षेत्र में बैरिकेडिंग कर आवागमन नियंत्रित किया गया।

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

जनसुनवाई में लगभग 200 आवेदन प्राप्त हुए

भोपाल, (निप्र.)। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में एडीएम अंकुर मेश्राम, पीसी शाक्य, प्रकाश नायक ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से लगभग 200 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एसडीएम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। एडीएम श्री मेश्राम, पीसी शाक्य, श्री नायक ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

भोपाल में स्वास्थ्य विभाग पर सवाल, सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा को नोटिस, एनएसयूआई ने लगाए गंभीर आरोप

भोपाल,(निप्र.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। टीकाकरण अभियान में कथित लापरवाही को लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. मनीष शर्मा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है।लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के निर्देश पर मंगलवार को स्वास्थ्य आयुक्त धनराजू एस ने डॉ. मनीष शर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में उन्हें एक सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा गया है, अन्यथा नियमानुसार सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के तहत जिले में तय लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति नहीं हो सकी, जिससे राज्य की समग्र उपलब्धियों पर नकारात्मक असर पड़ा है। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए जवाब तलब किया गया है। इधर, इस मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने मंगलवार को सीएमएचओ पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे स्वास्थ्य सेवाओं और टीकाकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों पर ध्यान देने के बजाय फर्जी अस्पतालों से कथित वसूली में व्यस्त हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रितेश रावत के साथ मिलकर फर्जी निरीक्षण रिपोर्ट तैयार की जा रही हैं।रवि परमार ने कहा कि राजधानी में ही टीकाकरण की स्थिति चिंताजनक है, ऐसे में पूरे जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था का अंदाजा लगाया जा सकता है। आम जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वहीं, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष अक्षय तोमर ने भी गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि डॉ. मनीष शर्मा के खिलाफ पहले से लोकायुक्त में प्रकरण दर्ज होने के बावजूद उन्हें भोपाल जैसे महत्वपूर्ण जिले की जिम्मेदारी देना चिंताजनक है। उन्होंने मांग की कि सीएमएचओ को तत्काल निलंबित कर निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो।एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन स्वास्थ्य संचालनालय और उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला के निवास का घेराव करेगा तथा प्रदेशव्यापी आंदोलन छेड़ा जाएगा।

ग्वालियर-चंबल संभाग में जन-जन का अभियान बना जल गंगा संवर्धन अभियान

जनभागीदारी से आकार ले रहीं संरचनायें पेश कर रही हैं जल संरक्षण की नई मिसाल

ग्वालियर(आरएनएस)। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर संचालित "जल गंगा संवर्धन अभियान" ग्वालियर-चंबल संभाग में जन-आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। इस अभियान के तहत जहां एक ओर वर्षों पुरानी जल संरचनाओं को पुनर्जीवित किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर नई जल संरचनाओं का निर्माण कर जल संरक्षण की दिशा में ठोस कार्य किए जा रहे हैं। जनभागीदारी, श्रमदान और जागरूकता के माध्यम से यह अभियान जल संरक्षण के साथ-साथ पर्यटन संवर्धन का भी माध्यम बन रहा है। ग्वालियर शहर में स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत तीन ऐतिहासिक बावड़ियों का पुनर्जीवन किया गया है। इन बावड़ियों में प्रतिवर्ष लगभग 50 लाख लीटर पानी सहेजने की क्षमता विकसित की गई है। सुरक्षा के लिए लोहे के जाल लगाए गए हैं तथा आरओ प्लांट की व्यवस्था भी की गई है, जिससे नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। ग्वालियर दुर्ग स्थित प्राचीन सूरज कुण्ड को स्वच्छ एवं आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। साथ ही जलालपुर कुण्ड और केआरजी कॉलेज की बावड़ी की साफ-सफाई भी कराई जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी अभियान ने गति पकड़ी है। जिले में कुल 2300 जल संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य है, जिनसे लगभग 31.50 लाख घन मीटर जल संरक्षित होगा। अब तक 71 खेत तालाब और 249 कुओं के रिचार्ज कार्य पूर्ण हो चुके हैं। शिवपुरी जिले की सभी ग्राम पंचायतों में तालाबों की सफाई, गहरीकरण, गाद निकासी और पेयजल व्यवस्था जैसे कार्य जनसहयोग से किए जा रहे हैं।

केसली में 'अग्निपरीक्षा' दे रहे किसान, फायर ब्रिगेड का अभाव बना बड़ी समस्या

सागर, (ए.)। मध्य प्रदेश के सागर जिले की केसली तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत घाना में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब खेतों में अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और एक खेत से दूसरे खेत तक फैल गई,

जिससे किसानों की तैयार फसल को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका है। स्थानीय लोगों के अनुसार, केसली क्षेत्र में आगजनी की घटनाओं के दौरान सबसे बड़ी समस्या संसाधनों की कमी है। तहसील मुख्यालय पर फायर ब्रिगेड की व्यवस्था नहीं होने के कारण हर बार देवरी से दमकल वाहन बुलाना पड़ता है। दूरी अधिक होने के कारण दमकल के पहुंचने तक आग व्यापक नुकसान कर चुकी होती है। घाना की घटना में भी यही स्थिति सामने आई।घटना के बाद क्षेत्रीय नागरिकों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के प्रति नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि मंचों से विकास के बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी की जा रही है।

दिन में तेज धूप की तपन से बढ़ी गर्मी

– पारा 36 डिग्री पर पहुंचा, मौसम शुष्क

जबलपुर, (ए.)। मौसम शुष्क होने पर प्रचंड गर्मी अपना असर दिखा रही है। मंगलवार को पारा 36 डिग्री के पार पहुंच गया। दिन में धूप इतनी तेज थी कि सड़कें सूनी हो गईं थीं। शाम ढलने के बाद सड़कों पर चहल-

पहल बनी। मौसम विभाग का कहना है अगले 24 घंटों के दौरान तापमान में उछाल बरकरार रहेगा। मौसम कार्यालय के अनुसार मौसम पूरी तरह से साफ है। अब तापमान में अगले दो तीन दिनों में दो से तीन ड्रिग्री की वृध्दि संभावित है. पश्चिमी विक्षोप का प्रभाव खत्म होने पर मौसम पूरी तरह से शुष्क हो गया है. हालांकि दिन के तापमान के मुकाबले रात के पारे में अभी गिरावट बनी हुई है, जिससे रात में हलकी शीतलता अहसास हो रहा है. उत्तर पश्चिमि हवाओं ने दिन में गर्मी बढ़ा दी है.

मौसम कार्यालय के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 36.0 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री कम दर्ज किया गया। जबकि न्यूनतम तापमान 18.06 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 4 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा मे नमी प्रात:काल 40 प्रतिशत और सायंकाल 15 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5 बजकर 55 मिनिट पर हुआ, जबकि सूर्यास्त सायं 6 बजकर 28 मिनिट पर हुआ। पश्चिमी हवायें 6 से 7 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। मौसम कार्यालय के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान जिले का मौसम आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना व्यक्त की गई है, साथ ही तापमान में उछाल की संभावना व्यक्त की गई है। गत वर्ष आज के दिन का अधिकतम तापमान 40.07 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18.09 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

स्कूल बसों पर चालानी कार्यवाही

– स्कूल बसों पर चालानी कार्यवाही कर 1 लाख 22 हजार 500 रूपये का वसूला राजस्व

भिंड (ए.) ।जिला परिवहन अधिकारी के सख्त निर्देश पर चेकपॉइंट भिण्ड टीम ने आज विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान स्कूल बसों पर चालानी कार्रवाई करते हुए कुल 01 लाख 22 हजार 500 रुपये का राजस्व वसूला गया। चेकिंग के दौरान प्रधान आरक्षक राजेश तोमर, आरक्षक राजकुमार, आरक्षक यूसुफ खान एवं चेक पॉइंट का समस्त होमगार्ड सैनिक स्टाफ मौजूद रहा।

समर थीम पर किया सेलिब्रेशन

जबलपुर, (ए.)। कलचुरी क्लब द्वारा समर थीम पर सेलिब्रेशन किया गया। इस दौरान गर्मी में बरती जाने वाली सावधानियों पर सदस्यों ने गहन चर्चा की। साथ ही गर्मियों पर आधारित मजेदार गेम्स खेले गए। महिलाओं ने गर्मियों में रेडी होने वाली डिशेश की जानकारी दी। मेंबर्स ने आइसक्रीम का लुत्फ उठाया। संयोजन राजीव चौकसे व कौशलेंद्र महाजन ने किया। कार्यक्रम में कलचुरी क्लब के रवींद्र-शशि चौकसे, राजेन्द्र-सीमा राय, श्रीचंद-कल्पना चौकसे, विद्याशंकर-किरण राय, मिथलेश-आशा चौकसे, श्याम-मनोरमा राय, संदीप-प्रीति चौकसे, कौशलेंद्र-कल्पना महाजन, राजीव चौकसे, संजय-रोजी महाजन, सुरेंद्र-जयश्री चौकसे, सूर्यप्रकाश-निधि राय, रामजस-कृष्णा चौकसे आदि सदस्य उपस्थित थे।

इंदौर में एनएसयूआई का उग्र प्रदर्शन, डीएवीवी कैंपस में हंगामा, 6 गिरफ्तार, बैरिकेड्स कूदते दिखे छात्र

इंदौर(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के इंदौर में एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) के आरएनटी परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया, जो देखते ही देखते हंगामे में बदल गया। पुलिस और छात्रों के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई, जिसके बाद पुलिस ने जिला अध्यक्ष रजत पटेल समेत 6 पदाधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया।एनएसयूआई कार्यकर्ताओं का कहना है कि विश्वविद्यालय में लंबे समय से रिजल्ट में देरी, कॉपियों के मूल्यांकन में गड़बड़ी और प्रशासनिक अनियमितताएं बनी हुई हैं। इन्हीं मुद्दों को लेकर सैकड़ों छात्र दोपहर करीब 1:40 बजे कैंपस पहुंचे और विरोध प्रदर्शन शुरू किया, जो लगभग 40 मिनट तक चला। प्रदर्शन के दौरान एक अलग ही नजारा देखने को मिला। पुलिस के मुताबिक, कुछ छात्र नेता विरोध के साथ-साथ सोशल मीडिया के लिए रील बनाने में भी व्यस्त नजर आए। कई कार्यकर्ता बार-बार बैरिकेड्स लांघने की कोशिश करते रहे, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। पुलिस को माइक से अपील करनी पड़ी- रील के चक्कर में ऐसा न करें, शालीनता से ज्ञापन दें।जब प्रदर्शनकारी जबरन कैंपस में घुसने लगे तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इस दौरान दोनों पक्षों में तीखी झड़प और झूमा-झटकी हुई, जिसमें कुछ छात्र नेताओं के कपड़े तक फट गए। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने मुख्य पदाधिकारियों को हिरासत में ले लिया। एडिशनल डीसीपी रामसनेही मिश्रा ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को लगातार समझाइश दी जा रही थी, लेकिन वे नहीं माने और धक्का-मुक्की करने लगे। एहतियात के तौर पर 6 पदाधिकारियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि अन्य को समझाकर छोड़ दिया गया। गिरफ्तारियों के बावजूद एनएसयूआई ने साफ कर दिया है कि जब तक विश्वविद्यालय प्रशासन समस्याओं का समाधान नहीं करता, उनका आंदोलन जारी रहेगा। संगठन ने इसे छात्रों के अधिकारों की लड़ाई बताते हुए आगे और तेज करने की चेतावनी दी है।

जनसुनवाई में मिली राहत: पढ़ाई, इलाज और आजीविका के लिए तत्काल मदद

इन्दौर (आरएनएस)। कलेक्टर शिवम वर्मा की विशेष उपस्थिति में आज कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार आयोजित इस जनसुनवाई में करीब 305 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें कई प्रकरणों पर मौके पर ही त्वरित कार्रवाई करते हुए जरूरतमंदों को राहत प्रदान की गई। जनसुनवाई के दौरान किसी को शिक्षा के लिए सहायता मिली तो किसी को इलाज हेतु आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया गया। कई हितग्राही अपने कार्य पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं कलेक्टर शिवम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त करने भी पहुंचे। कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि जिन प्रकरणों में तत्काल सहायता संभव थी, उनमें तुरंत कार्रवाई की गई, जबकि राजस्व, पुलिस एवं अन्य विभागों से जुड़े मामलों को निराकरण हेतु समय-सीमा तय कर संबंधित अधिकारियों को भेजा गया है, ताकि समयसीमा में उनका निराकरण सुनिश्चित किया जा सके। आज सम्पन्न हुई जनसुनवाई में एक दिव्यांग युवक शुभम साहू का मामला सामने आया, जिसकी मोटराइज्ड व्हीलचेयर खंडवा से इंदौर की बस यात्रा के दौरान गुम हो गई थी। तत्काल उसकी आवश्यकता को देखते हुए उसे मोटराइज्ड व्हीलचेयर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर शिवम वर्मा ने आरटीओ को निर्देश दिए कि घटना के संबंध में संबंधित बस की जांच भी कराई जाए। इसी प्रकार एक वृद्ध महिला श्रीमती सविता

शिंगले अपने पोता-पोती के साथ सहायता के लिए पहुंची। वृद्ध महिला ने बताया कि बेटे का निधन हो चुका है और बहू ने पुनर्विवाह कर लिया है। बच्चों की देख-रेख में कर रही हूँ। आय के साधन पर्याप्त नहीं होने से दिक्कत हो रही है। प्रशासन ने तत्काल भरण-पोषण की व्यवस्था करते हुए बच्चों का नाम मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना में जोड़ने के निर्देश दिए। उनकी शिक्षा की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है। तात्कालिक सहायता के रूप में इन्हें 24 हजार रुपये की मदद भी दी गई। स्वास्थ्य संबंधी मामलों में भी संवेदनशीलता दिखाते हुए एक किडनी मरीज के इलाज हेतु आर्थिक सहायता दी गई है, जिसका उपचार जारी है और आगामी माह उसका ऑपरेशन प्रस्तावित है। इलाज के लिए सहायता मिलने पर उक्त मरीज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और कलेक्टर शिवम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए जनसुनवाई में पहुँचा।

व्यापार समाचार

व्हाटसएप ला रहा नया 'नॉस कैन्सलेशन' फीचर, अब भीड़भाड़ वाली जगहों पर आएगी एकदम क्लियर आवाज

नई दिल्ली (आरएनएस)। व्हाटसएप अपने यूजर्स के लिए लगातार नए फीचर्स पर काम करता रहता है और इसी कड़ी में अब एक बड़ा अपडेट सामने आया है। कंपनी जल्द ही 'नॉइस कैंसिलेशन' फीचर लॉन्च करने की तैयारी में है, जिससे वॉइस और वीडियो कॉलिंग का अनुभव पहले से कहीं ज्यादा बेहतर होने वाला है। फिलहाल यह फीचर कुछ बीटा यूजर्स के लिए टेस्टिंग में देखा गया है।

भीड़-भाड़ में भी साफ सुनाई देगी आवाज

इस नए फीचर की मदद से कॉल के दौरान बैकग्राउंड में मौजूद शोर अपने आप कम हो जाएगा। चाहे ट्रैफिक का शोर हो, हवा की आवाज या आसपास की भीड़—यूजर्स को कॉल पर सामने वाले की आवाज काफी साफ सुनाई देगी। खासतौर पर आउटडोर या शोरगुल वाले माहौल में यह फीचर बेहद उपयोगी साबित होगा।

बीटा यूजर्स को मिल रही झलक

रिपोर्ट्स के मुताबिक, नॉइस कैंसिलेशन फीचर फिलहाल एंड्रॉइड के कुछ बीटा यूजर्स के लिए उपलब्ध है। अगर आपने बीटा वर्जन इंस्टॉल किया हुआ है, तो 2.26.14.14 अपडेट के साथ कॉलिंग सेक्शन में इस फीचर को देखा जा सकता है। हालांकि, इसे अभी धीरे-धीरे रोलआउट किया जा रहा है, इसलिए सभी यूजर्स तक पहुंचने में थोड़ा समय लग सकता है।

ऐसे करेगा काम

यह फीचर कॉल के दौरान डिफॉल्ट रूप से एक्टिव रहेगा, जिसे यूजर चाहें तो ऑन या ऑफ भी कर सकते हैं। इसकी खास बात यह है कि आपकी आवाज सामने वाले को तभी पूरी तरह साफ सुनाई देगी, जब दोनों यूजर्स इस फीचर का इस्तेमाल कर रहे हों। इससे हर प्रतिभागी को बेहतर कॉल क्वालिटी मिल सकेगी।

किन लोगों को होगा सबसे ज्यादा फायदा

कंपनी का लक्ष्य इस फीचर के जरिए रिमोट वर्कर्स, स्टूडेंट्स और उन लोगों के लिए कॉलिंग को आसान बनाना है, जो अक्सर शोर वाले माहौल में बातचीत करते हैं। अब यूजर्स को शांत जगह ढूंढने की जरूरत नहीं होगी—वे कहीं से भी क्लियर कॉलिंग का अनुभव ले सकेंगे।

यह नया फीचर आने वाले समय में डिजिटल कम्युनिकेशन को और भी आसान और प्रभावी बना सकता है।

नौकरीपेशा लोगों के लिए गुड न्यूज, अब चुटकियों में यूपीआई और एटीएम से निकाल सकेंगे पीएफ का पैसा; जानें नए नियम

नई दिल्ली (आरएनएस)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने करोड़ों खाताधारकों की सुविधा के लिए पिछले साल ईपीएफओ 3.0 की शुरुआत की थी। इसका मुख्य उद्देश्य रिटायरमेंट फंड बॉडी के डिजिटल सिस्टम को पूरी तरह से आधुनिक और आसान बनाना है। उम्मीद जताई जा रही है कि साल 2026 के मध्य तक यह नया सिस्टम पूरी तरह से लागू हो जाएगा। इसके तहत पीएफ खाताधारकों को कई बेहतरीन और परेशानी मुक्त सुविधाएं मिलने जा रही हैं, जिनमें से सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित सुविधा यूपीआई और एटीएम के जरिए पीएफ फंड की निकासी करना है।

ईपीएफओ 3.0 से खत्म होंगे दफ्तरों के चक्कर, मिलेंगी ये बड़ी सुविधाएं

ईपीएफओ 3.0 के तहत कई क्रांतिकारी बदलाव प्रस्तावित किए गए हैं। इनमें प्रोविडेंट फंड तक कर्मचारियों की आसान पहुंच, ऑटो-क्लेम सेटलमेंट और कर्मचारी की पसंद के बैंक खाते में बिना किसी अड़चन के पैसा ट्रांसफर करना शामिल है। सबसे बड़ी राहत यह है कि अब सदस्य अपना पीएफ बैलेंस सीधे यूपीआई पर देख सकेंगे और एटीएम व यूपीआई का इस्तेमाल करके तुरंत पैसा निकाल भी सकेंगे। इस नई व्यवस्था के लागू होने के बाद कर्मचारियों को अपना ही पैसा निकालने

के लिए बैंकों या ईपीएफओ कार्यालयों की लंबी लाइनों में लगने और चक्कर काटने से हमेशा के लिए छुटकारा मिल जाएगा।

जानिए एटीएम और यूपीआई से निकाल सकेंगे कितनी रकम

इस नई सुविधा के तहत निकासी की कुछ सीमाएं भी तय की गई हैं। ईपीएफओ यूपीआई या एटीएम के जरिए पीएफ बैलेंस निकालने की अधिकतम सीमा खाते में जमा कुल रकम के 50 प्रतिशत तक तय कर सकता है। यह नियम इसलिए बनाया जा रहा है ताकि कर्मचारियों के खाते में भविष्य की जरूरतों और रिटायरमेंट के लिए पर्याप्त बचत बनी रहे। कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जा रहा है कि इस नई व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए ईपीएफओ अपने सदस्यों के लिए विशेष एटीएम कार्ड भी जारी कर सकता है, जो सीधे उनके पीएफ खाते से लिंक होंगे।

नई सुविधा का लाभ उठाने के लिए पूरी करनी होंगी ये जरूरी शर्तें

एटीएम और यूपीआई के जरिए पीएफ का पैसा आसानी से निकालने के लिए खाताधारकों को केवाईसी से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण शर्तें पूरी करनी होंगी। सबसे पहली शर्त यह है कि सदस्य के पास एक एक्टिव यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (UAN) होना अनिवार्य है। इसके साथ ही रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर चालू होना चाहिए और यूएएन का आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाता संख्या और आईएफएससी (IFSC) कोड के साथ लिंक होना बहुत जरूरी है। इस पूरी प्रक्रिया को बिना किसी परेशानी के लागू करने के लिए ईपीएफओ ने 32 सरकारी और निजी बैंकों के साथ अहम समझौता भी किया है, ताकि कंपनियां सीधे बैंकों में पीएफ का पैसा जमा कर सकें और दावों के निपटारे में लगने वाले समय को कम किया जा सके।

शेयर बाजार खुलते ही 4 लाख करोड़ रुपए स्वाहा, पलक झपकते ही निवेशकों को लगा तगड़ा झटका

मुंबई(आरएनएस),। लगातार तीन दिन की शानदार तेजी के बाद मंगलवार की सुबह दलाल स्ट्रीट के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं रही। बाजार खुलते ही ऐसा भूचाल आया कि शुरुआती कुछ ही सेकंड में निवेशकों के करीब सवा चार लाख करोड़ रुपये डूब गए। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की आसमान छूती कीमतों और विदेशी निवेशकों (FII) द्वारा की जा रही लगातार बिकवाली ने पूरे मार्केट का मूड खराब कर दिया। इस भारी दबाव के कारण सेंसेक्स और निफ्टी औंधे मुंह गिर पड़े और बाजार में चारों तरफ लाल निशान हावी हो गया।

सेंसेक्स-निफ्टी औंधे मुंह गिरे, 4.24 लाख करोड़ का नुकसान

शुरुआती कारोबार में ही प्रमुख इंडेक्स बुरी तरह लड़खड़ा गए। बीएसई का सेंसेक्स 1.05 फीसदी का गोता लगाते हुए 73,326.61 के स्तर पर आ गिरा, जबकि एनएसई का निफ्टी 0.9 फीसदी टूटकर 22,771.75 के स्तर पर पहुंच गया। इस गिरावट का असर सिर्फ बड़ी कंपनियों तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स भी करीब 1 फीसदी तक टूट गए। इस चौतरफा बिकवाली के कारण महज कुछ ही सेकंड के भीतर बीएसई में लिस्टेड कंपनियों की कुल मार्केट वैल्यू 4.24 लाख करोड़ रुपये घट गई, जिससे निवेशकों को सुबह-सुबह ही भारी-भरकम नुकसान का सामना करना पड़ा।

अब फ्लाइट में सफर करना होगा महंगा, टिकट बुक करने से पहले जानिए कितने रुपए बढ़े रेट

नई दिल्ली(आरएनएस)। टाटा संस की एयरलाइन एयर इंडिया ने मंगलवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए फ्यूल सरचार्ज बढ़ाने का ऐलान किया है। इसकी वजह वैश्विक स्तर पर जेट ईंधन के दामों में बढ़ोतरी होना है। नया सरचार्ज 8 अप्रैल से प्रभावी होगा।एयर इंडिया की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया कि सरकार द्वारा विमानन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में 25 प्रतिशत बढ़ोतरी की सीमा तय करने के बाद, वह घरेलू मार्गों पर फ्लैट सरचार्ज लगाने के बजाय दूरी-आधारित प्राइस मॉडल को फॉलो करेगा।घरेलू उड़ानों पर यात्रियों को 500 किमी तक की उड़ानों के लिए 299 रुपए, 501 से 1000 किमी के लिए 399 रुपए, 1001 से 1500 किमी के लिए 549 रुपए, 1501 से 2000 किमी के लिए 749 रुपए और 2000 किमी से अधिक की दूरी के लिए 899 रुपए का फ्यूल सरचार्ज देना होगा। ये नए किराए 8 अप्रैल को सुबह 9 बजे से लागू होंगे। अंतरराष्ट्रीय मार्गों के लिए, एयर इंडिया ने क्षेत्र-विशिष्ट सरचार्ज लागू किए हैं। बांग्लादेश को छोड़कर सार्क देशों के लिए उड़ानों पर 24 डॉलर का अतिरिक्त शुल्क लगेगा, जबकि पश्चिम एशिया के मार्गों पर 50 डॉलर का अतिरिक्त शुल्क लगेगा। चीन और दक्षिण-पूर्वी एशियाई गंतव्यों (सिंगापुर को छोड़कर) के लिए उड़ानों पर 100 डॉलर का अतिरिक्त शुल्क लगेगा, जबकि सिंगापुर जाने वाली उड़ानों पर 60 डॉलर का शुल्क लगेगा। अफ्रीका जाने वाले मार्गों पर 130 डॉलर का अतिरिक्त शुल्क लगेगा, जबकि ब्रिटेन सहित यूरोप जाने वाली उड़ानों पर 205 डॉलर का शुल्क लगेगा।

शॉपिंग करते-करते फुल चार्ज हो जाएगी आपकी ङ्गह्यद्यड्ड, यहां खुला पहला सुपरचार्जिंग स्टेशन; सिर्फ 15 मिनट में मिलेगी इतनी रेंज

नवी मुंबई (आरएनएस)। दिग्गज अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी टेस्ला (Tesla) भारतीय बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटी है। पिछले साल जुलाई में अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार 'मॉडल वाई' को भारत में लॉन्च करने के बाद अब कंपनी अपने चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विस्तार कर रही है। इसी कड़ी में टेस्ला ने नवी मुंबई में अपना नया सुपरचार्जिंग स्टेशन शुरू किया है। इस नए स्टेशन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे एक मॉल के अंदर बनाया गया है, जिससे अब कार मालिक शॉपिंग और मनोरंजन के साथ-साथ अपनी गाड़ी को आसानी से चार्ज कर सकेंगे।कंपनी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, यह नया सुपरचार्जिंग स्टेशन नवी मुंबई के नेक्सस सीवुड्स मॉल में स्थापित किया गया है। भारत में टेस्ला का यह पहला 'इन-मॉल' चार्जिंग स्टेशन है, जिसे मॉल के बी-1 पार्किंग एरिया में बनाया गया है। इस नई सुविधा के तहत कुल 8 चार्जर लगाए गए हैं, जो आसपास के टेस्ला कार मालिकों के लिए एक बड़ी राहत साबित होंगे। इससे पहले कंपनी गुरुग्राम, दिल्ली और मुंबई के अन्य हिस्सों में अपने चार्जिंग स्टेशन स्थापित कर चुकी है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

एचडीएफसी बैंक की पारदर्शिता पर गहरे सवाल

हालिया घटनाओं से एचडीएफसी बैंक की पारदर्शिता पर गहरे सवाल उठे हैं। चेयरमैन के इस्तीफे और तीन अधिकारियों की बर्खास्तगी के बाद लोगों के मन में अनेक संदेह तैर रहे हैं। इन्हें दूर करने का विश्वसनीय प्रयास अविलंब किया जाना चाहिए।

अंदेशा है कि मार्केट कैपिटलाइजेशन, ग्राहक आधार, और शाखा नेटवर्क के लिहाज़ से भारत में प्राइवेट सेक्टर के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी की साख पर उठे सवाल देश की वित्तीय अर्थव्यवस्था पर दूरगामी असर छोड़ सकते हैं। इसलिए इस बारे में पूरी पारदर्शिता बरतते हुए बैंक के सभी हितधारकों सहित पूरे देश को भरोसे में लिया जाना चाहिए। इस समय जबकि देश अंदरूनी एवं अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण गंभीर आर्थिक चुनौतियों के मुकाबिल है, बैंकिंग सेक्टर से जुड़ी एक अतिरिक्त समस्या का बोझ उठाने की स्थिति में वह नहीं होगा।

बैंक के चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने पिछले हफ्ते अपने पद से इस्तीफा देते हुए कहा कि इस संस्था के अंदर देखी गई कुछ प्रथा और घटनाएं उनकी अपनी व्यक्तिगत नैतिकता से मेल नहीं खातीं। हालांकि उन्होंने बैंक के भीतर कोई ठोस समस्या होने से इनकार किया और फुर्ती दिखाते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने भी बैंक की वित्तीय स्थिति को लेकर लोगों को आश्वस्त करने की कोशिश की, मगर बाद की घटनाओं से साफ है कि उससे बात नहीं बनी है। नैतिक कारणों से चेयरमैन के इस्तीफा देने से साफ संकेत मिला कि बैंक का संचालन सही तरीके से नहीं हो रहा है।

फिर दो दिन बाद ही बैंक ने अपने तीन वरिष्ठ अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया। उन पर एटी-1 बॉन्ड्स की अनुचित ढंग से बिक्री का आरोप लगाया गया है। मतलब यह कि जो बॉन्ड सुरक्षित निवेश बताकर बेचे गए, वे बाद में जोखिम भरे साबित हुए। एटी-1 उच्च जोखिम वाले बॉन्ड होते हैं, जिन्हें बैंकों की पूंजी संरचना मजबूत करने के लिए जारी किया जाता है। फिर इस घटनाक्रम के दौरान इस ओर भी ध्यान गया है कि बैंक में पिछले दो वर्षों में कम-से-कम छह वरिष्ठ अधिकारियों ने इस्तीफा दिया या बैंक से उनका संबंध विच्छेद हुआ। स्पष्टत: ये घटनाएं बैंक की पारदर्शिता पर सवाल उठाती है। इसीलिए चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद से बैंक के शेयरों में लगातार गिरावट दर्ज की गई। तो साफ है कि निवेशकों सहित अन्य हितधारकों के मन में अनेक संदेह तैर रहे हैं। इन्हें दूर करने का विश्वसनीय प्रयास अविलंब किया जाना चाहिए।

(चिंतन-मनन) सच्चे ज्ञानी की विशेषता

व्यक्ति सत्संगति से तीन वस्तुओं को-शरीर, शरीर का स्वामी या आत्मा तथा आत्मा के मित्र को- एक साथ संयुक्त देखता है, वही सच्चा ज्ञानी है। जब तक आध्यात्मिक विषयों के वास्तविक ज्ञाता को संगति नहीं होती, वे अज्ञानी हैं, वे केवल शरीर को देखते हैं, और जब यह शरीर विनष्ट हो जाता है, तो समझते हैं कि सब कुछ नष्ट हो गया। लेकिन वास्तविकता यह नहीं है। शरीर के विनष्ट होने पर आत्मा तथा परमात्मा का अस्तित्व बना रहता है, और वे अनेक विविध चर तथा अचर रूपों में सदैव जाते रहते हैं। कभी-कभी संस्कृत शब्द परमेर का अनुवाद जीवात्मा के रूप में किया जाता है, क्योंकि आत्मा ही शरीर का स्वामी है और शरीर के विनाश होने पर वह अन्यत्र देहांतरण कर जाता है। इस तरह वह स्वामी है। लेकिन कुछ लोग इस परमेश्वर का अर्थ परमात्मा लेते हैं। प्रत्येक दशा में परमात्मा तथा आत्मा दोनों रह जाते हैं। वे विनष्ट नहीं होते। जो इस प्रकार देख सकता है, वही वास्तव में देख सकता है कि क्या घटित हो रहा है।

जीव, अपना भौतिक अस्तित्व स्वीकार करने के कारण अपने आध्यात्मिक अस्तित्व से पृथक स्थित हो गया है। किंतु यदि वह यह समझता है कि परमेश्वर अपने परमात्मा स्वरूप में सर्वत्र स्थित हैं, अर्थात यदि वह भगवान की उपस्थिति प्रत्येक वस्तु में देखता है, तो वह विघटनकारी मानसिकता से अपने आपको नीचे नहीं गिराता, और इसीलिए वह प्रमश: वैकुण्ठ-लोक की ओर बढ़ता जाता है। सामान्यतया मन इंद्रियतृप्तिकारी कार्यों में लीन रहता है, लेकिन जब वही परमात्मा की ओर उन्मुख होता है, तो मनुष्य आध्यात्मिक ज्ञान मे आगे बढ़ जाता है। यह शरीर परमात्मा के निर्देशानुसार प्रकृति द्वारा बनाया गया है और मनुष्य के शरीर के जितने भी कार्य संपन्न होते हैं, वे उसके द्वारा नही किए जाते। मनुष्य जो भी करता है, चाहे सुख के लिए करे या दुख के लिए, वह शारीरिक रचना के कारण उसे करने के लिए बाध्य होता है।

नई उम्मीद वाली आप पार्टी अपनों के हाशिये पर क्यों?

– सौरभ वार्ष्णेय

आम आदमी पार्टी ने भारतीय राजनीति में एक नई उम्मीद जगाई थी। भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से उपजी पार्टी पारदर्शिता, ईमानदारी और जनभागीदारी के वादों के साथ आजादी वाले तेवर के साथ नायक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आप ने दिल्ली में शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली-पानी जैसे मुख्य मुद्दों पर उल्लेखनीय काम कर लोगों का विश्वास जीता। लेकिन समय के साथ कई ऐसे कारण सामने आए हैं, जिनसे जनता के एक वर्ग में आप पार्टी मोहभंग की स्थिति बनी है। शुरुआत में आप' ने नई राजनीति' का दावा किया था, लेकिन समय के साथ वही परंपरागत राजनीतिक रणनीतियां अपनाने के आरोप लगे। दल-बदल, राजनीतिक समझौते और सत्ता बनाए रखने की प्राथमिकता ने इसके मूल आदर्शों पर सवाल खड़े किए। जिस पार्टी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई से शुरुआत की, उसी पर अब विभिन्न घोटालों के आरोप लगे हैं। खासकर दिल्ली की शराब नीति को लेकर उठे विवाद ने पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाया। इससे जनता के बीच भरोसे में कमी आई है। समय-समय पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का बाहर होना या निष्कासन, जैसे कि योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण का अलग होना, संगठन के भीतर असहमति और केंद्रीकरण की ओर इशारा करता है। धीरे -धीरे यह नई उम्मीद वाली पार्टी अपनों के हाशिये पर क्यों हैं यह चिंतन का विषय है।

दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी और उसके युवा चेहरे राज्यसभा राघव चड्ढा के बीच उभरे विवाद ने फिर एक बार पुरानी बोतल में नई शराब वाली स्थिति व इसको लेकर आम आदमी पार्टी पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला केवल एक व्यक्ति और पार्टी के बीच मतभेद का नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों में अनुशासन, पारदर्शिता और नेतृत्व

शैली की भी परीक्षा है। इसका जीता जागता उदाहरण पहले भी सामने आए हैं जिनमें प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास सहित अन्य चेहरे अलग हो गए। कुमार आप पार्टी के वह नेता थे जो अरविंद केजरीवाल के साथ उस दौर से थे जब उन्होंने अपनी नौकरी सहित सब कुछ दांव पर लगाकर साथ दिया था। उनके बाद आम आदमी पार्टी में कई दौर ऐसे आ चुके हैं जिनमें अन्य कद्दावर नेतागण योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण, शाजिया इल्मी, आशुतोष, कपिल मिश्रा, अलका लांबा, कैलाश गहलोत, मयंक गांधी, अंजलि दमानिया, सुभाष वारे, आनंद कुमार सहित अन्य नाम भी साथ छोड़ चुके हैं व स्वाति मालीवाल आम आमदी पार्टी को छोड़ चुके हैं। अब एक नाम और शामिल हो रहा है वह हैं राघव चड्ढा, जो कि प्रमुख युवा नेताओं में गिने जाते हैं, कम समय में राष्ट्रीय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच खिंचाव की स्थिति को उजागर मनभेद को उजागर किया है। आरोप-प्रत्यारोप, निर्णय प्रक्रिया में मतभेद और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा—ये सभी तत्व इस विवाद को जटिल बनाते हैं।

राजनीतिक दल किसी एक व्यक्ति से बड़े होते हैं। आप ने हमेशा सामूहिक नेतृत्व और पारदर्शिता की बात की है। ऐसे में यदि पार्टी का कोई वरिष्ठ नेता सार्वजनिक रूप से अलग रुख अपनाता है, तो यह संगठनात्मक अनुशासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है। दूसरी ओर, लोकतंत्र में व्यक्तिगत विचारों की अभिव्यक्ति भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।आप ने खुद को एक वैकल्पिक और स्वच्छ राजनीति के प्रतीक के रूप में स्थापित किया था। इस तरह के विवाद पार्टी की उस छवि को धक्का पहुंचा सकते हैं। विपक्ष के लिए यह एक अवसर बन जाता है कि वह पार्टी की आंतरिक एकता और विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। यह विवाद आप नेतृत्व के सामने एक बड़ी चुनौती भी है—कैसे वे असहमति को संभालते हैं। क्या पार्टी संवाद के जरिए समाधान निकालती है या अनुशासनात्मक कार्रवाई का रास्ता अपनाती है, इससे भविष्य की राजनीति तय होगी।

आम आदमी पार्टी और राघव चड्ढा के बीच का यह टकराव भारतीय राजनीति के उस व्यापक सच को सामने लाता है, जहां व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और संगठनात्मक अनुशासन के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। यदि इसे समझदारी और संवाद से सुलझाया गया, तो यह पार्टी को और मजबूत बना सकता है; लेकिन अगर विवाद बढ़ता है, तो इसका असर न केवल पार्टी बल्कि उसकी विश्वसनीयता पर भी पड़ेगा।

आप पर यह आरोप भी लगता रहा है कि पार्टी में निर्णय लेने की शक्ति कुछ लोगों तक सीमित होती जा रही है। इससे सामूहिक नेतृत्व' की अवधारणा कमजोर पड़ी है।हालांकि दिल्ली में कुछ क्षेत्रों में प्रगति हुई है, लेकिन अन्य राज्यों में विस्तार के दौरान आप को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। पंजाब में सत्ता मिलने के बावजूद चुनौतियां बरकरार हैं, जिससे पार्टी की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं पर असर पड़ा है। आम आदमी पार्टी का उदय भारतीय लोकतंत्र में एक सकारात्मक प्रयोग था, जिसने राजनीति में नई सोच और उम्मीद पैदा की। लेकिन यदि पार्टी को जनता का विश्वास बनाए रखना है, तो उसे अपने मूल सिद्धांतों पर लौटना होगा, पारदर्शिता बढ़ानी होगी और आंतरिक लोकतंत्र को मजबूत करना होगा। अन्यथा, आम आदमी' की उम्मीदों पर खरा उतरने का दावा धीरे-धीरे कमजोर पड़ता जाएगा।

अगर हम आम आदमी पार्टी राज्यसभा सांसदों पर नजर डाले तो अप्रैल 2026 तक, आम आदमी पार्टी के पास राज्यसभा में 10 सांसद हैं, जो मुख्य रूप से पंजाब और दिल्ली से हैं। हाल ही में हुए बदलावों में, अशोक मित्तल को राघव चड्ढा की जगह राज्यसभा में पार्टी का नया उपनेता नियुक्त किया गया है। अब ऐसे में अगर अरविंद केजरीवाल के पुराने साथियों की बात करें तो अब कुछ ही साथी शेष बचे हैं। ऐसे में क्या पार्टी इस अंतकलह को बचायेगी ? क्या राघव चढ्डा से सुलह हो जायेगा ? आदि ऐसे विषय हैं जिनका हल सिर्फ सिर्फ अरविंद केजरीवाल के पास है।

नाले से गैस निकालें और आत्मनिर्भर बनें

हरिशंकर व्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ठीक कहा है कि भारत में गैस का या तेल का कोई संकट नहीं है। उन्होंने अपने मंत्रियों और अन्य नेताओं से कहा कि वे जनता के बीच जाएं और उनको बताएं कि तेल और गैस का संकट नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पूरे आत्मविश्वास के साथ बताएं कि कोई संकट नहीं है। चार मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी गुरुवार को साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस करके भी यही कहा कि तेल और गैस का कोई संकट नहीं है। अब असली बात क्या है? असली बात तेल या गैस का संकट नहीं है, बल्कि असली बात आत्मविश्वास है। देश तेल या गैस से नहीं आत्मविश्वास से चलता है। अगर आत्मविश्वास है कि तेल और गैस का कोई संकट नहीं है तो इसका मतलब है कि कोई संकट नहीं है।

देश के जो लोग गैस एजेंसियों के सामने कतार लगा कर खड़े हैं, धक्के खा रहे हैं, गैस की बुकिंग नहीं कर पा रहे हैं, जो होटल और रेस्तरां बंद हो रहे हैं, कैंटीन्स बंद की जा रही हैं, हवाई किराया बढ़ाया जा रहा है, अयोध्या की राम रसोई बंद हुई है, सुप्रीम कोर्ट और कांग्रेस मुख्यालय की कैंटीन में कैटरिंग का काम सीमित किया गया है, आईआरसीटीसी के बारे में कहा जा रहा है कि वह कैटरिंग में कटौती करने वाला है, यह सब असल में एक साजिश है, जो सरकार को बदनाम करने वाले लोगों ने रची है। यह भी कह सकते हैं कि अमेरिका वाले जॉर्ज सोरोस या उस तरह का कोई टूलकिट लगा है, जिसको भारत के विश्वगुरू बनने से चिढ़ है और वह इकोसिस्टम सरकार और देश को बदनाम करने के लिए इस तरह के काम करा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा भी कि कुछ लोगों का काम पैनिक फैलाना होता है।

तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की भूमिका कितनी !

अजय दीक्षित

भारत दक्षिण में अरब सागर और हिन्दमहासागर को मिलाने वाले राज्य तमिलनाडु में 23 अप्रैल को विधानसभा चुनाव है। 234 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके और स्व जयललिता की एआईडीएमके के बीच है। इस बार एआईडीएमके एनडीए के घटक बनकर, भारतीय जनता पार्टी के साथ चुनाव लड़ रही है। भारतीय जनता पार्टी को 27 सीट पर चुनाव लड़ना है। वही अभिनेता विजय की पार्टी एमडीएम अलग से सभी सीट पर चुनाव मैदान में है।

तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी के लिए अभी भी दूर की कौड़ी है। यद्यपि उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन यही से आते हैं वे कोयम्बतूर से दो बार 1998,99 में सांसद निर्वाचित हुए थे।2014 में एक राधाकृष्णन भी कन्याकुमारी से सांसद रहे हैं। लेकिन विधानसभा चुनाव में खाता नहीं खुला है। केरल की तरह यहां पर भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्य है।

अगर इस बार के विधानसभा चुनाव की बात करे तो स्टालिन के साथ दस वर्ष की सत्ता विरोधी लहर है लेकिन स्टालिन अभी भी सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं। एआईडीएमके में कोई विशेष नेता नहीं है यद्यपि पनीर स्वामी, पानीसेलवम दोनों दावेदारी कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने कहा है कि हम दोनों को स्वीकार करेंगे।

1966 से भाषाई आधार पर राज्यों के गठन में तमिल भाषा बोल ने वाले क्षेत्र को तमिलनाडु राज्य बनाया गया। इससे मद्रास प्रेसीडेंसी के सभी भाग समाहित किए गए। तत्कालीन समय में कांग्रेस के दिग्गज नेता कामराज नाडार मुख्यमंत्री बने लेकिन पेरियार नामक संत ने डीएमके की हिंदी भाषा के विरोध में राजनीत शुरू की। पेरियार के शिष्य अन्नादुरई ने डीएमके यानि द्रविड़ मुनेत्र कड़गम,ये शब्द तमिल भाषा से लिया गया है। इसका अर्थ है कि तमिलनाडु राज्य आंदोलन जो पेरियार ने शुरू किया था।दरअसल तमिलनाडु भारत का एक ऐसा राज्य है जो दक्षिण भारत का लीडर है।तमिल ,तेलगु, मलयालम, और कन्नड़ ये ऐसी भाषाएं हैं जो संस्कृत से बनी यद्यपि इनकी लिपि देवनागरी नहीं है लेकिन संस्कृत ही त्रेता युग से जुड़ी है। तमिल नाडु में रामेश्वरम है जहां भगवान शिव पधारे हैं कहते हैं कि रामेश्वरम में भगवान श्री राम ने रावण को हराने के लिए यज्ञ किया था और शिव लिंग की स्थापना की थी, तमिलनाडु में ही मीनाक्षीपुरम मंदिर है जहां भगवान विष्णु लक्ष्मी माता के साथ बिराजी है।

डीएमके के लोग कवि त्रिबल्लूर को मानते हैं।डीएमके के प्रमुख रहे स्व करुणानिधि हिंदू देवी देवताओं को नहीं मानते थे। वे राज्य के जीवन में कई बार मुख्यमंत्री रहे अब उनके पुत्र स्टालिन मुख्यमंत्री है। करुणानिधि ने पेरियार के हिन्दी भाषा विरोध को कायम रखा।अब स्टालिन भी उन्हीं के पद चिन्हों पर है । स्व करुणानिधि से अलग होकर सिने अभिनेता एम जी रामचंद्रन ने एआईडीएमके बनाई वे कई बार मुख्यमंत्री रहे उनके बाद बिरसात में जयललिता मुख्यमंत्री बनी।वे तमिलनाडु की जन नेता थी। लेकिन 2021 में स्टालिन मुख्यमंत्री बने ।2026 विधानसभा चुनाव में डीएमके तमिल भावनाओं को लेकर चुनाव में है। जबकि एआईडीएमके एनडीए से मिलकर महंगाई, भ्रष्टाचार,को मुद्दे पर चुनाव मैदान में है।

भारतीय जनता पार्टी अभी जल्दी में नहीं है वह अभी कोई अपना लीडर तलाश रही है। हालांकि 27 सीट पर चुनाव मैदान में है क्योंकि एआईडीएमके के साथ है।

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए नई उमंगों से भरा रहने वाला है। आपका हंसमुख स्वभाव दूसरों की खुशी की वजह बनेगा। कहीं रुका हुआ पैसा आज आपको वापस मिलेगा, जिससे आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आज अपने परिवार के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे। बच्चे आज खेल-कूद प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

वृष राशि- आज रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं।। पैसों से जुड़ा आपने जोफैसला लिया था, आज उसके सुखद परिणाम मिल सकते हैं। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा आपको कुछ नई उपलब्धियां हासिल होंगी। आज आपकी पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ेगी। आज रचनात्मक कार्यों आपका रुझान बढ़ेगा।

मिथुन राशि-आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। व्यावसायिक प्रगति के लिए आज का दिन अनुकूल है , धन लाभ हो सकते हैं। आज आप किसी भी पुरानी बातों में न उलझें। जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं उनके लिए धन लाभ के योग हैं। आज आपकी रुचि समाज सेवा में ज्यादा रहेगी।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आज आप नया घर लेने का विचार करेंगे ,परिवार में इस पर विचार विमर्श करेंगे। परिवार में आज किसी सदस्य से छोटा-मोटा विवाद हो सकता है।

सिंह राशि-आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। बिजनेस करने वाले लोग आज कोई बड़ा कदम उठाने से बचें। आज कोई पुराना विवाद सामने आ सकता है। संतान की शैक्षिक उन्नति होने की संभावना है ,पढ़ाई के प्रति उनकी गंभीरता बढ़ेगी। आज ठीक से योजना न बनाने के कारण आपका काफी समय खराब हो सकता है।

कन्या राशि- आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आप किसी काम में बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया करेंगे। धैर्य बनाए रखें सफलता अवश्य। पुराना अटक हुआ धन प्राप्त हो सकता है आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आप स्वस्थ महसूस करेंगे। यदि आप निवेश करना चाहते हैं, तो किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद अवश्य लें, अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

तुला राशि- आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज आपकी कुछ चिंताएं आपके लिए रूकावटें बन सकती है। अनियमित दिनचर्या के कारण आलस्य और थकान हो सकती है। अपने काम को न टालें। बेहतर होगा समय से काम पूरा कर लें। ओवर कॉन्फिडेंस जैसी स्थिति बन सकती है, इससे बचकर रहें।

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। ज़िंदगी का भरपूर लुत्फ़ उठाने के लिए अपनी महत्वाकांक्षाओं को क़ाबू में रखें। आज मित्रों के सहयोग से रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। घर पर अचानक कोई मेहमान आ सकते हैं। शाम तक घर में किसी छोटी पार्टी का आयोजन कर सकते हैं। पुराने दोस्तों से मिलने का मौका मिलेगा। आज आपको बिजनेस में बढ़िया मुनाफा होगा।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज कार्यस्थल पर कार्यभार अधिक रहेगा। घर में बुजुर्गों का अधिकतर समय बच्चों के साथ व्यतीत होगा। आप सकारात्मक रहेंगे और आपके मन में कई उम्मीदें भी बनी रहेंगी , कुछ नया काम करने का सोचेंगे। अपने जीवन में अच्छा खासा सुधार कर सकते हैं।

मकर राशि- आज दिन आपके लिए सकारात्मक रहने वाला है। आज आपके अटके हुए काम पूरे हो जाएंगे।आज कोई नया काम शुरू करने से बचें। इस राशि के छात्रों को आज अधिक मेहनत करनी की जरूरत है।। इस राशि के मीडिया से जुड़े लोगों को आज थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है लेकिन सफलता अवश्य मिलएगी।

कुंभ राशि- आज किस्मत आपके साथ रहेगी। आपकी सेहत अच्छी रहेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। आपकी व्यक्तिगत समस्याएं हल होंगी। आज किसी भी काम के बारे में गहराई से विचार करेंगे, तो नतीजे आपके फेवर में आ सकते हैं।

मीन राशि- आज के दिन आपका अधिकतम समय ध्यान और अध्यात्मक कार्यों में बीतेगा है। शाम तक किसी धार्मिक आयोजन में भी जा सकते हैं। कामकाज से जुड़ी परेशानियां खत्म होंगी। साहित्य के छात्रों के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है बच्चों को मत पिता की ओर से कोई सरप्राइज मिल सकता है। पारिवारिक सदस्यों के बीच थोड़ी बहुत अनबन हो सकती है।

असेंबली का वह धमाका और आज की बहरी व्यवस्था

दिलीप कुमार पाठक/

इतिहास के पन्नों में कुछ तारीखें केवल घटनाओं का ब्यौरा नहीं, बल्कि एक गहरे सवाल की तरह दर्ज होती हैं। आज ही के दिन वर्ष 1929 की वह सुबह, जब भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने दिल्ली की सेंट्रल असेंबली में बम के साथ पर्चे फेंके थे, तो उनका उद्देश्य हिंसा नहीं बल्कि एक मूक और बहरी सत्ता को लोक-हित की आवाज़ सुनाना था। आज दशकों बाद जब हम अपनी लोकतांत्रिक संस्थाओं के बदलते स्वरूप को देखते हैं, तो एक टीस उठती है कि क्या व्यवस्था की सुनने की क्षमता समय के साथ फिर से कम हो गई है?

वह धमाका बहरों को जगाने के लिए था, लेकिन आज की राजनीति के शोर में एक आम नागरिक की संयमित और तर्कपूर्ण आवाज़ कहीं खोती नज़र आती है। लोकतंत्र की बुनियाद उसकी संस्थाओं की निष्पक्षता और उनकी स्वायत्तता पर टिकी होती है। जब चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर जनता के बीच संशय उत्पन्न होने लगे, तो यह किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। एक निष्पक्ष निर्णायक की भूमिका तब संदिग्ध लगने लगती है जब उसके निर्णय एकपक्षीय झुकाव का संकेत देने लगें। क्या हमारी संस्थाएं आज भी उसी संप्रभुता के साथ कार्य कर रही हैं जिसका संकल्प हमारे संविधान निर्माताओं ने लिया था? जब रसूखदारों के लिए नियमों की व्याख्या लचीली हो और एक साधारण नागरिक के लिए प्रक्रियाएं अवरोध बन जाएं, तो यह विसंगति व्यवस्था की साख पर प्रश्नचिह्न लगाती है।

प्रशासनिक त्रुटियों या इरादतन चूकों का उदाहरण देखना हो तो पश्चिम बंगाल के उस सेवानिवृत्त न्यायाधीश का मामला दृष्टव्य है, जिनका नाम पर्याप्त दस्तावेजों के बावजूद मतदाता सूची से विलुप्त कर दिया गया। यदि न्याय की रक्षा करने वाले एक पूर्व जज को अपने लोकतांत्रिक अधिकार की पहचान के लिए संघर्ष करना पड़े, तो एक सामान्य नागरिक की विवशता का अंदाज़ा सहज ही लगाया जा सकता है। क्या यह महज़ एक तकनीकी चूक है या किसी विशेष प्रक्रिया का हिस्सा? जब मैदान के रक्षक ही किसी एक पक्ष के प्रति उदार होने लगें, तो खेल की शुचिता का बना रहना कठिन हो जाता है। पारदर्शिता विज्ञापनों का विषय नहीं, बल्कि धरातल पर महसूस की जाने वाली सच्चाई होनी चाहिए। आज के डिजिटल युग में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के समक्ष नई और जटिल चुनौतियां उभरकर आई हैं। सत्ता की आलोचना करने वाले सोशल मीडिया हैंडल्स को तकनीकी नियमों की आड़ में प्रतिबंधित करना, संवाद की उस स्वस्थ परंपरा के विपरीत है जिसने हमारे लोकतंत्र को सींचा है। संवाद के रास्ते बंद करना उसी बहरेपन की पुनरावृत्ति है जिसे तोड़ने के लिए कभी क्रांतिकारी युवाओं ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया था। लोकतंत्र में असहमति को शत्रुता का पर्याय मान लेना एक बड़ी भूल है; इसे तो सुधार के एक अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। जब सत्ता आलोचना को सुनने का धैर्य खोने लगती है, तो यह शासन तंत्र में सुधार की तत्काल आवश्यकता की ओर संकेत करता है।

सामाजिक संवेदनहीनता का यह बढ़ता प्रभाव हमारे सामूहिक ताने-बाने के लिए घातक है। रसूखदारों के लिए व्यवस्था के द्वार सदैव सुलभ हैं, परंतु एक लाचार नागरिक के लिए आज भी सरकारी तंत्र की जटिलताओं को पार करना किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। जिस सदन में कभी जन-सरोकारों की गूँज होती थी, आज वहाँ बुनियादी मुद्दे अक्सर राजनीतिक विमर्श और चुनावी जुमलों के शोर में दब जाते हैं। जब हम नागरिक अधिकारों और संस्थागत जवाबदेही के बीच बढ़ती इस खाई को देखते हैं, तो महसूस होता है कि भौतिक विकास की दौड़ में मानवीय और लोकतांत्रिक मूल्य कहीं पीछे छूट रहे हैं।

आज यही सीख लेने की आवश्यकता है कि लोकतंत्र केवल एक ढांचा नहीं, बल्कि निरंतर निभाई जाने वाली एक ज़िम्मेदारी है। उन क्रांतिकारियों का त्याग एक ऐसे न्यायपूर्ण भारत की कल्पना था जहाँ हर नागरिक का आत्मसम्मान एवं अधिकार सुरक्षित हों और उसकी आवाज़ को सुना जाए। आज जब हमारी संस्थाओं की जवाबदेही पर सवाल उठ रहे हैं, तब उस ऐतिहासिक घटना को एक सबक की तरह लेने की आवश्यकता है। लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित नहीं है, यह संस्थाओं की गरिमा और नागरिक अधिकारों की निर्बाध सुरक्षा का नाम भी है। व्यवस्था के प्रति सच्ची निष्ठा तभी सिद्ध होगी जब सवाल पूछने की स्वतंत्रता और जवाब देने की ईमानदारी, दोनों ही हमारे लोकतंत्र की अनिवार्य पहचान बनी रहें।

K K

राष्ट्रीय समाचार

बुधवार 08 अप्रैल 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

एयर इंडिया के सीईओ कैम्पबेल विल्सन ने दिया इस्तीफा, जुलाई 2027 तक था कार्यकाल

नई दिल्ली,(आरएनएस)। टाटा समूह की अगुवाई वाली एयर इंडिया के सीईओ कैम्पबेल विल्सन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब एयरलाइन लगातार वित्तीय दबाव झेल रही है और हाल के वर्षों में सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को लेकर नियामकीय जांच का सामना कर रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विल्सन के इस्तीफे के बाद एयर इंडिया का बोर्ड नए सीईओ की तलाश में तेजी लाएगा। इसे एयरलाइन के पुनर्गठन (टर्नअराउंड) की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

न्यूजीलैंड में जन्मे कैम्पबेल विल्सन को वर्ष 2022 में सिंगापुर एयरलाइंस से एयर इंडिया लाया गया था। टाटा समूह द्वारा एयर इंडिया के अधिग्रहण के बाद उन्हें कंपनी के पुनरुद्धार की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उनका कार्यकाल जुलाई 2027 तक निर्धारित था, लेकिन उन्होंने इससे पहले ही पद छोड़ने का निर्णय लिया। फिलहाल, वह छह महीने के नोटिस पीरियड के दौरान कंपनी के साथ जुड़े रहेंगे।

पिछले वर्ष जून में अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की एक उड़ान के टेकऑफ के तुरंत बाद हुए विमान हादसे के बाद से कंपनी और उसके नेतृत्व पर सवाल उठ रहे थे। इस दुर्घटना में बड़ी संख्या में लोगों की जान गई थी।

एयर इंडिया वर्तमान में कई चुनौतियों से जूझ रही है, जिनमें विमानों की डिलीवरी में देरी, सुरक्षा मानकों को लेकर उठते सवाल और लगातार हो रहा वित्तीय नुकसान शामिल हैं। नियामक संस्थाओं ने भी एयरलाइन की परिचालन प्रक्रियाओं को लेकर सख्त रुख अपनाया है। ऐसे में, नए नेतृत्व की नियुक्ति को एयर इंडिया के भविष्य और उसके सुधार प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पंजाब में सियासी हलचल तेज, चुनावों से पहले नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी ने बनाई नई पार्टी; जानें क्या होगा नाम

अमृतसर,(आरएनएस)। कांग्रेस से निष्कासन के बाद नवजोत कौर सिद्धू ने अपनी नई राजनीतिक पार्टी लॉन्च कर दी है। उन्होंने पार्टी का नाम 'भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी' रखा है। यह घोषणा पंजाब विधानसभा चुनाव से लगभग एक साल पहले की गई है, जिससे राज्य की राजनीति में हलचल तेज होने की संभावना है।

नवजोत कौर सिद्धू, जो पूर्व क्रिकेटर और नेता नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी हैं, ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने देशभर में एक नए राजनीतिक विकल्प की जरूरत को महसूस करते हुए यह कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य देश और लोगों की सेवा करना तथा उन्हें उनका अधिकार दिलाना है। उन्होंने अपने संदेश में कहा, एक ईश्वरीय शक्ति ने समान सोच वाले लोगों को साथ जोड़ा है, जिनमें हर राज्य में काम करने की क्षमता, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प है। हमारा लक्ष्य न्याय और शांति स्थापित करना है।

नवजोत कौर ने संकेत दिए हैं कि पार्टी जल्द ही संगठन विस्तार को लेकर भी घोषणा करेगी। BRP की एंट्री से पंजाब में चुनावी माहौल और गरम होने की उम्मीद है। वर्तमान में राज्य में भगवंत मान के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी की सरकार है, जबकि कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल की भूमिका में है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी भी राज्य में अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी पंजाब को फिर से स्वर्ण राज्य बनाने के लिए काम करेगी, जहां लोग प्रेम, आपसी सहयोग, न्याय और स्वतंत्रता के साथ जीवन जी सकें। गौरतलब है कि पिछले साल नवजोत कौर सिद्धू ने आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री पद के लिए 500 करोड़ रुपये की मांग की जाती है। इसके बाद कांग्रेस ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया। 31 जनवरी को उन्होंने औपचारिक रूप से कांग्रेस छोड़ने की घोषणा की थी और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजा अमरिंदर सिंह वडिंग पर भी कई आरोप लगाए थे। बाद में भूपेश बघेल, जो कांग्रेस के पंजाब मामलों के प्रभारी महासचिव हैं, ने 6 फरवरी को उनके निष्कासन की पुष्टि की।

गुरु तेग बहादुर नहीं होते, तो न कोई हिंदू होता और न कोई सिख : अमित शाह

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सिख धर्म के नौवें गुरु, हिंद दी चादर गुरु तेग बहादुर जी के प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि अगर गुरु तेग बहादुर जी नहीं होते तो न कोई हिंदू होता और न कोई सिख होता। पूरा भारत समाप्त हो जाता। अमित शाह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर कहा, भारतीय संस्कृति और मानवता की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले गुरु तेग बहादुर जी ने धर्म त्यागने के बजाय प्राण त्यागना उचित समझा। उन्होंने क्रूर शासकों के अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध अडिग रहकर करुणा व संवेदना की मिसाल स्थापित की। गुरु साहिब की जीवनगाथा का स्मरण कर मन गर्व से भर जाता है। उन्होंने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी ने बचपन से ही त्याग, समर्पण, बलिदान और वीरता के गुण से अपना परिचय किया था। 13 साल की उम्र में करतारपुर साहिब के ऐतिहासिक युद्ध में जिस वीरता के साथ उन्होंने तलवार से, तेग से मुगलों का सामना किया, आठवें गुरु साहब ने उनको तेग बहादुर नाम से अनन्यकृत करने का काम किया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगर गुरु तेग बहादुर न होते तो कोई हिंदू न होते, कोई सिख नहीं होता, पूरा भारत समाप्त हो गया होता और इसीलिए उनको हिंद की चादर कहते हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीरी पंडित जब गुरु तेग बहादुर जी के दरबार में पहुंचे और कहा, सच्चे पाशा, हमारी रक्षा करो, हमारा धर्म डूब रहा है, तब गुरु तेग बहादुर जी ने कहा कि समय किसी महापुरुष का बलिदान मांगता है।

नवम गुरु की वह महान यात्रा दिल्ली तक गई और औरंगजेब को कहा कि धर्म परिवर्तन बंद करो। अगर मेरा धर्म परिवर्तित करा दिया तो पूरा भारत धर्म परिवर्तन करने के लिए तैयार है। ढेर सारी यातनाएं सहन कर अपना बलिदान दिया, लेकिन धर्म परिवर्तन नहीं किया।

स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए मिलकर करें काम, विश्व स्वास्थ्य दिवस पर पीएम मोदी का संदेश

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्वास्थ्यकर्मियों के समर्पण की सराहना की और सभी नागरिकों को उत्तम स्वास्थ्य की शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने लोगों से खुद को स्वस्थ रखने के लिए हरसंभव प्रयास करने को कहा। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा, विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर हम उन सभी लोगों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं, जो दूसरों की सेवा में अथक रूप से समर्पित हैं और एक स्वस्थ पृथ्वी के निर्माण की दिशा में कार्य कर रहे हैं। हम एक स्वस्थ समाज के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं। आइए, हम सभी मिलकर स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ बनाने और प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए निरंतर कार्य करते रहें। उन्होंने आगे कहा, विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मैं सभी देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं। मेरा आग्रह है कि खुद को स्वस्थ रखने के लिए हरसंभव प्रयास जरूर करें। लाघवं कर्मसामर्थ्यं दीप्तोऽग्निर्मेदस: क्षय:। विभक्तघनगात्रत्वं व्यायामादुपजायते॥

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा, अच्छा स्वास्थ्य एक ऐसा चुनाव है, जिसे हम उचित देखभाल से बनाए रख

सकते हैं। इस अवसर पर, आइए हम सभी उचित देखभाल, स्वस्थ खान-पान की आदतों और नियमित व्यायाम के माध्यम से एक स्वस्थ और सुदृढ़ समाज के निर्माण के लिए स्वयं को समर्पित करें।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा (जेपी नड्डा) ने विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा, यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम अपने स्वास्थ्य का बेहतर ध्यान रखें और एक संतुलित जीवनशैली अपनाएं। स्वास्थ्य सेवा के प्रति भारत का दृष्टिकोण प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का एक अनूठा संगम है, जो न केवल देश के भीतर, बल्कि पूरे विश्व में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में सहायक है।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, आयुष्मान भारत और पीएम भारतीय जनऔषधि परियोजना जैसी परिवर्तनकारी पहलों ने हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सुदृढ़ बनाया है, जिससे हर नागरिक के लिए गुणवत्तापूर्ण उपचार अधिक सुलभ, किफायती और समावेशी बन गया है।उन्होंने आगे कहा, हम उन सभी डॉक्टरों, नर्सों और फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं, जिनके समर्पण से हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली मज़बूत बनी हुई है। आइए, हम सब मिलकर एक स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र के निर्माण की दिशा में काम करें।

इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी विश्व स्वास्थ्य दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी और कहा, मैं हमारे डॉक्टरों, नर्सों, स्वास्थ्यकर्मियों और फ्रंटलाइन कर्मियों के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं,

जिन्होंने करुणा और समर्पण के साथ मानवता की सेवा करते हुए, राष्ट्र को स्वस्थ रखने के लिए अथक परिश्रम किया है। ईश्वर करे, हर किसी को उत्तम स्वास्थ्य का आशीर्वाद प्राप्त हो।

नई दिल्ली में, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और उनके परिवार के खिलाफ लगाए गए आरोपों से जुड़े एक मामले में पूछताछ के बाद, असम पुलिस की टीम कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के आवास से रवाना हो गई।

दिल्ली विधानसभा की सुरक्षा में चूक का मामला, पुलिस जांच में हुए नए खुलासे

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली विधानसभा की सुरक्षा में चूक के मामले की जांच में नए तथ्य सामने आए हैं। गिरफ्तार सरबजीत सिंह मेंटली डिसटर्ब बताया जा रहा है जो अपने भांजे के लापता होने से परेशान था। कहा जा रहा है कि उसने दिल्ली पुलिस का ध्यान खींचने के लिए ये हरकत की, लेकिन पुलिस इन बातों पर यकीन नहीं कर रही और मामले की गहनता से जांच करने में जुटी हुई है। दरअसल, सोमवार को सरबजीत सिंह अपनी गाड़ी लेकर वीवीआईपी गेट से दिल्ली विधानसभा परिसर में घुस गया। उसने स्पीकर की गाड़ी के पास फूलों का गुलदस्ता रखा और बिना किसी रोक-टोक के निकल गया। ये घटना सामने आते ही सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए। इसके बाद विधानसभा परिसर के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई। बताया जा रहा है कि सरबजीत ने दिल्ली पुलिस का अटेंशन पाने के लिए विधानसभा में गाड़ी घुसाई। उसका भांजा 1 अप्रैल से लापता था और हरी नगर थाने में उसकी रिपोर्ट दर्ज थी। उस केस पर ध्यान दिलाने के लिए उसने ये हरकत की। उसने बताया कि विधानसभा में कोई बड़ा अधिकारी होगा जो इसके केस को सुनेगा।

पश्चिम बंगाल चुनाव : 2.4 लाख अर्धसैनिक जवानों की सबसे बड़ी तैनाती, सख्त निगरानी जारी

कोलकाता,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर इस बार सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए हैं। राज्य में अब तक की सबसे बड़ी अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है, जिससे चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराया जा सके। राज्य में करीब 2,400 अर्धसैनिक कंपनियों के जवान तैनात किए गए हैं। इनकी कुल संख्या लगभग 2,40,000 बताई जा रही है। खास बात यह है कि यह तैनाती पिछले चुनाव के मुकाबले दोगुने से भी अधिक है, जो इस बार सुरक्षा को लेकर प्रशासन की गंभीरता को दर्शाती है। इतना ही नहीं, इस बार महिला सुरक्षा कर्मियों की भी रिकॉर्ड संख्या में तैनाती की गई है। जानकारी के मुताबिक, करीब 20,000 महिला अर्धसैनिक जवान, यानी लगभग 200 कंपनियां, चुनाव ड्यूटी में लगाई गई हैं।

सूत्रों का कहना है कि विभिन्न एजेंसियों, जिनमें चुनाव आयोग भी शामिल है, ने गृह मंत्रालय को

महिला सुरक्षाकर्मियों की अधिक आवश्यकता के बारे में बताया था। इसके बाद ही इतने बड़े स्तर पर महिला बलों की तैनाती का फैसला लिया गया।

अगर चुनाव कार्यक्रम की बात करें तो पश्चिम बंगाल की कुल 294 सीटों पर इस बार मतदान केवल दो चरणों में कराया जाएगा। पहला चरण 23 अप्रैल को 152 सीटों पर होगा जबकि दूसरा चरण 29 अप्रैल को बाकी 142 सीटों के लिए आयोजित किया जाएगा।

खरगे के जहरीले बयान से कांग्रेस की नफरत वाली राजनीति फिर बेनकाब - दानिश इकबाल

पटना, (ए.)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के भाजपा और आरएसएस को लेकर दिए गए एक विवादास्पद बयान को लेकर बिहार भाजपा ने जोरदार पलटवार करते हुए चुनाव आयोग से कार्रवाई करने तक की मांग की है। ?बिहार भाजपा के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण, गैर-जिम्मेदाराना और देश की सामाजिक एकता को नुकसान पहुंचाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्रीय पार्टी के शीर्ष नेता से इस तरह की भाषा की अपेक्षा नहीं की जाती। ?उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अध्यक्ष का बयान यह साबित करने के लिए काफी है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तुष्टिकरण और समाज को बांटने की राजनीति से बाहर निकलना ही नहीं चाहती। इस प्रकार के बयान न केवल राजनीतिक मर्यादा को गिराते हैं, बल्कि समाज में अविश्वास और तनाव भी पैदा करने का काम करते हैं। ?उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी को लेकर इस तरह के भड़काऊ और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल पूरी तरह निंदनीय है।

संन्यासी वेश छोड़ 'आईआईटी वाले बाबा' बने दूल्हा, इंजीनियर संग सात फेरे लेकर गांव पहुंचे तो देखने वालों की लग गई भीड़

झज्जर ,(आरएनएस)। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान अपने संन्यासी वेश और फर्राटेदार बातों से रातों-रात इंटरनेट सेंसेशन बने 'आईआईटी वाले बाबा' यानी अभय सिंह अब एक नई जिंदगी की शुरुआत कर चुके हैं। अध्यात्म के मार्ग पर चलने का दावा करने वाले अभय ने अचानक गृहस्थ जीवन में कदम रख लिया है। उन्होंने कर्नाटक की रहने वाली एक महिला इंजीनियर को अपना जीवनसाथी चुना है। विवाह के बाद जब यह नवविवाहित जोड़ा पहली बार हरियाणा स्थित अपने पैतृक गांव पहुंचा, तो उन्हें देखने और उनके साथ सेल्फी लेने वालों का तांता लग गया।

महाशिवरात्रि पर मंदिर में रचाई शादी, फिर की कोर्ट मैरिजमहाकुंभ में जमकर सुर्खियां बटोरने के बाद अभय सिंह अचानक सोमवार को अपनी पत्नी प्रीतिका के साथ हरियाणा के झज्जर तहसील पहुंचे। यहां उन्होंने अपने पिता कर्ण सिंह के वकालत चेंबर में जाकर उनका आशीर्वाद लिया। अभय के पिता झज्जर बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान रह चुके हैं। मीडिया से बातचीत में अभय ने अपनी शादी का राज खोलते हुए बताया कि उन्होंने बीते 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर हिमाचल प्रदेश के अघंजर महादेव मंदिर में प्रीतिका के साथ सात फेरे लिए थे। इसके बाद 19 फरवरी को दोनों ने कानूनी रूप से कोर्ट मैरिज भी कर ली। बेंगलुरु की रहने वाली प्रीतिका पेशे से इंजीनियर हैं और इन दोनों की पहली मुलाकात करीब एक साल पहले हुई थी।सनातन यूनिवर्सिटी बनाने का रखा लक्ष्यपति के साथ झज्जर पहुंचीं प्रीतिका ने अपनी नई जिंदगी को लेकर खुशी जाहिर की। च

बंगाल में एसआईआर के बाद 90 लाख से ज्यादा मतदाता वोटर लिस्ट से बाहर, ईसी ने पहली बार जारी किया जिलेवार डेटा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (स्क्रूक्र) के तहत विचाराधीन 60 लाख से अधिक मामलों का विस्तृत डेटा जारी किया है। इस प्रक्रिया के दौरान अब तक कुल 90.66 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा चुके हैं। आयोग ने पहली बार जिलावार आधार पर नाम जोड़ने और हटाने के आंकड़े भी सार्वजनिक किए हैं, जिससे पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद है।

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया तीन प्रमुख चरणों में पूरी हुई। दिसंबर 2025 में प्रारंभिक ड्राफ्ट तैयार करते समय 58.2 लाख नाम हटाए गए थे। इसके बाद फरवरी 2026 में अंतिम सूची के प्रकाशन तक 5.46 लाख और नाम हटाए गए। वर्तमान में न्यायिक अधिकारियों की जांच के बाद 27 लाख से अधिक नाम हटाने का निर्णय लिया गया, जिससे कुल संख्या 90 लाख के पार पहुंच गई है।

आयोग के अनुसार, 'लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी' यानी डेटा में तकनीकी गड़बड़ियों के आधार पर 60 लाख से अधिक मतदाताओं को जांच के दायरे में रखा गया था। इन मामलों को 'अंडर एडजुडिकेशन' श्रेणी में रखा गया, ताकि न्यायिक अधिकारी इनकी जांच कर सकें। अब तक लगभग 59.84 लाख मामलों का निपटारा किया जा चुका है। जांच के बाद करीब 32.68 लाख पात्र मतदाताओं के नाम दोबारा जोड़े गए, जबकि 27.16 लाख अपात्र पाए गए नाम हटाए गए हैं। शेष मामलों की समीक्षा जारी है।

टीएमसी का कुशासन समाप्त होने वाला है, ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल की हालत को किया बदतर: राजनाथ सिंह

बैरकपुर,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रचार की कमान संभाली। रक्षा मंत्री ने बैरकपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए टीएमसी पर जमकर निशाना साधा और अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। राजनाथ सिंह ने कहा, अब यह निश्चित है कि तृणमूल कांग्रेस और उसके कुशासन का युग समाप्त हो रहा है और भारतीय जनता पार्टी यहां सत्ता में आएगी। भाजपा की सरकार बनने के बाद बंगाल को सशक्त और विकसित बनाएंगे। भाजपा की सरकार आएगी तो बंकिम बाबू के घर को टूरिस्ट स्पॉट बनाया जाएगा, जहां लोग उनके इतिहास को देख पाएंगे। राजनाथ सिंह ने कहा, बंकिम चंद्र के वंदे मातरम के माध्यम से उन्होंने पूरे देश को याद दिलाया कि भारत कितना महान था, कितना महान है

और कितना महान हो सकता है। अगर किसी ने इस जागरूकता को फैलाने का काम किया है, तो वह बंकिम चंद्र ही थे। बंकिम चंद्र ने वंदे मातरम गीत के माध्यम से भारत की भावना को प्रेरित किया। जब देश अंधकार में डूबा हुआ था, तब कुछ लोगों ने छोटे-छोटे दीपक जलाए, लेकिन बंकिम चंद्र ने सिर्फ एक दीपक नहीं जलाया, उन्होंने पूरे देश में क्रांति की चिंगारी प्रज्वलित की।

राजनाथ सिंह ने कहा, पहले पश्चिम बंगाल के लोग हर मामले में आगे रहते थे, लेकिन अब टीएमसी की सरकार में लगातार पिछड़ता जा रहा है। भारत का हर राज्य निवेश में आगे जा रहा है, लेकिन पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ऐसा होने नहीं दे रही हैं। हर राज्य में उद्योगों को बढ़ावा मिल रहा है, जबकि बंगाल में पहले स्थापित फैक्ट्रियां भी बाहर जा रही हैं। पश्चिम बंगाल में उद्योगपति निवेश करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने ममता बनर्जी से सवाल पूछते हुए कहा, आप तीन बार मुख्यमंत्री रह चुकी हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल के लोगों के लिए क्या किया है?

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे गुवाहाटी में आगामी असम विधानसभा चुनावों के संबंध में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए.

पिंक साड़ी में कियारा आडवाणी ने उड़ाए होश, ग्लैमरस अवतार ने बढ़ाया तापमान

एनएमएसीसी के तीसरे एनिवर्सरी में बॉलीवुड के कई सितारे पहुंचे, लेकिन कियारा आडवाणी के लुक ने सबका ध्यान खींच लिया. कियारा अपने पति और एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ इस इवेंट में नजर आईं. पिंक साड़ी में उनका ग्रेसफुल अंदाज और खूबसूरत मुस्कान फैंस को बहुत पसंद आ रहा है. कियारा ने अपने इस शानदार लुक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की, जो अब तेजी से वायरल हो रही हैं.

कियारा ने अपने बालों को सॉफ्ट वेव्स के साथ खुला रखा, जो उनके पूरे लुक को बहुत एलिगेंट बना रहा है. साथ ही साइड पार्टिंग के साथ उनका हेयरस्टाइल बहुत नेचुरल और ग्रेसफुल है.

उन्होंने अपने लुक के साथ एक स्टाइलिश चोकर नेकलेस चुना, जिसमें पर्ल और गोल्डन टच है. इसके साथ मैचिंग ईयररिंग्स ने उनके पूरे लुक को क्लासी और रॉयल बना दिया.

कियारा का ब्लाउज बहुत स्टाइलिश है. गोल्डन एम्ब्रॉयडरी के साथ स्लीवलेस डिजाइन और डीप नेकलाइन ने उनके लुक को ग्लैमरस टच दिया है.

उन्होंने पिंक कलर की साड़ी पहनी है, जिस पर गोल्डन एम्ब्रॉयडरी का काम किया गया है. हल्की साड़ी ने उनके पोज को बहुत ग्रेसफुल बना दिया है.कियारा का पूरा लुक सिंपल के साथ बहुत स्टाइलिश है. उन्होंने एक बैलेंस्ड और एलिगेंट लुक को चुना, जो किसी भी फेस्टिव या इवेंट के लिए परफेक्ट इंस्पिरेशन बन सकता है.उनका मेकअप बहुत सॉफ्ट और ग्लोइंग है. न्यूड लिपस्टिक, हल्का ब्लश और आई मेकअप ने उनके चेहरे पर नैचुरल ग्लो दिया, जो उन्हें अट्रैक्टिव बना रहा है.

कियारा की स्माइल और पोज इस लुक की सबसे बड़ी खासियत है. कैमरे के सामने उनके एक्सप्रेशन पूरे लुक को और भी ज्यादा एलिगेंट बना रहे है.

धुरंधर 2 वर्ल्डवाइड बनी बब्बर शेर 18 दिनों में 16 सौ करोड़ के हुई पार, अब टूटेगा पुष्पा 2 का रिकॉर्ड!

रणवीर सिंह की धुरंधर 2 इंडियन बॉक्स ऑफिस पर ऐतिहासिक सफलता हासिल कर रही है और इसके धीमे होने

के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं. पहले दो हफ़्तों में ज़बरदस्त कलेक्शन करने के बाद, शो की संख्या कम होने के बावजूद फ़िल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए रखी और इसी के साथ तीसरे वीकेंड में, इसने ज़बरदस्त उछाल देखा, जिससे बड़ी संख्या में कमाई हुई. भारत में 1000 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड भी सफलता के झंडे गाड़ रखे हैं. चलिए यहां इस फिल्म की वर्ल्डवाइड कमाई के आंकड़े जानते हैं.

धुरंधर 2 ऐसा तूफान बन चुकी है जिसने देश और दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस को हिला डाला है. फिल्म को मिल रही महा सक्सेस के बीच अब मेकर्स ने धुरंधर 2 की 18 दिनों की भारत और वर्ल्डवाइड कमाई के आंकड़े जारी कर दिए हैं. सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट में बता गया है कि धुरंधर 2 ने जहां भारत में 1000 करोड़ का आंकडड़ा पार कर लिया है तो वहीं वर्ल्डवाइड ये 16सौ करोड़ के पार हो गई है. मेकर्स द्वार एक्स पर शेयर की गई पोस्ट में लिखा गया है, यह बब्बर शेर है, रुकेगा नहीं.

धड़क की रिलीज के बाद डिप्रेशन में चली गई थीं जाह्नवी कपूर, खुद किया खुलासा, बोलीं- 'लगा कि लोग नफरत

जाह्नवी कपूर आज बॉलीवुड की मोस्ट टैलेंटेड यंग एक्ट्रेसेस में से एक हैं. हालांकि उन्होंने जब बॉलीवुड में बुरे हालात में कदम रखा था. दरअसल उनकी पहली फिल्म 'धड़क' उनकी मां श्रीदेवी की मौत के कुछ ही महीनों बाद रिलीज़ हुई थी. जाह्नवी ने अब खुलास किया है कि अपनी पहली फिल्म रिलीज़ होने के बाद वह डिप्रेशन में चली गईं, उन्हें लगा कि लोग उनसे नफ़रत करते हैं.

बता दें कि राज शमनी के पॉडकास्ट में जाह्नवी कपूर ने अपने शुरुआती दिनों और बॉलीवुड में अपने डेब्यू के बारे में बताया. जाह्नवी ने 2018 में ईशान खट्टर के साथ 'धड़क' से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया था. पुराने दिनों को याद करते हुए, जान्हवी ने कहा, आप जानते हैं, जब भी कोई मुझसे मेरी पहली फिल्म, धड़क के बारे में बात करता है, तो वे कहते हैं, 'वह उसमें बहुत अच्छी थी' या 'हमें धड़क पसंद आई' और 'तुमने बहुत पैसा कमाया'... लेकिन धड़क की मेरी यादें बहुत अलग थीं. धड़क के बाद मैं डिप्रेस्ड हो गई थी. मुझे लगा हो गया और पैकअप हो गया. लोग मुझसे नफरत करते हैं.

एक्ट्रेस ने आगे कहा, मुझे अपनी ज़िंदगी में सारा वैलिडेशन अपनी मां से मिला. वह चली गईं तो मैंने सोचा, ठीक है, मैं इसे ऑडियंस पर डाल दूंगी. और मुझे उम्मीद थी कि सब लोग मुझे अपना लेंगे, जो मुझे नहीं पता था कि होता नहीं है. मैं सिर्फ़ नेगेटिव बातों पर ध्यान दे रही थी. मैंने इस बात पर ध्यान नहीं दिया या यह भी नहीं माना कि यह बहुत... मुझे लगता है कि सैयारा तक यह नए लोगों के साथ सबसे ज़्यादा कमर्शियली सफल फ़िल्म थी. मुझे यह भी समझ नहीं आया कि यह हिट थी. मुझे बस इतना पता था कि मैं बेकार हूँ और लोग मुझसे नफ़रत करते हैं... क्योंकि मैंने सिर्फ़ नेगेटिविटी देखी, और वही मेरी असलियत बन गई.

जाह्नवी कपूर और ईशान खट्टर स्टारर धड़क' का निर्देशन शशांक खेतान ने किया था और ये करण जौहर के सपोर्ट में बनी थी. ये फिल्म 2016 की मराठी फ़िल्म सैराट की रीमेक थी, और इसने बॉक्स ऑफ़िस पर लगभग 110.11 करोड़ कमाए थे. जान्हवी ने गुंजन सक्सेना, घोस्ट स्टोरीज़, रूही और गुड लकी जेरी जैसी अलग-अलग फ़िल्मों में काम किया. वह हाल ही में शशांक खेतान के डायरेक्शन में बनी रोमांटिक कॉमेडी सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में नज़र आई थीं जिसमें वरुण धवन, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ उनके साथ थे. 2025 में रिलीज़ हुई यह फ़िल्म बॉक्स-ऑफ़िस पर ठीक-ठाक सफल रही, इसने 80 करोड़ के प्रोडक्शन बजट पर दुनिया भर में 100 करोड़ कमाए थे.

जाह्नवी की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वे जल्द ही राम चरण के साथ तेलुगु फ़िल्म पेड्डी में नज़र आएंगी, जो इस साल के आखिर में रिलीज़ होगी.

भूत बंगला ट्रेलर आउट, पुराने डायलॉग्स में अक्षय कुमार ने लगाया कॉमेडी का मजेदार तड़का, भूतिया हवेली में फिर थमेगी सांसें

लगभग 14 साल के बड़े गैप के बाद, मशहूर डायरेक्टर-एक्टर जोड़ी प्रियदर्शन और अक्षय कुमार एक बार फिर साथ आ रहे हैं. दरअसल, ये जोड़ी एक बार फिर एक हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' के साथ बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने की तैयारी में है. इस फिल्म को लेकर काफी बज बना हुआ है और मेकर्स ने भी फाइनली मच अवेटेड 'भूत बंगला' का जबरदस्त ट्रेलर रिलीज कर दिया है.'भूत बंगला' का ट्रेलर पर कई दिनों से सस्पेंस बना हुआ था., पहले इसे 27 मार्च को रिलीज़ किया जाना था और बाद में इसे 30 मार्च के लिए बढ़ा दिया गया, लेकिन ट्रेलर दोनों तारीखों पर नहीं आया, जिससे फैंस की एक्साइटमेंट भी बढ़ गई थी. फाइनली मेकर्स ने इसे आज रिलीज कर दिया है और ये काफी मजेदार लग रहा है.

बता दें कि इससे पहले टीज़र ने दर्शकों को फिल्म की अजीब दुनिया और किरदारों से मिलवाया था लेकिन ट्रेलर ने 'भूत बंगला' की कहानी को और गहराई से दिखाया है.

ट्रेलर देखने के बाद भूल भूलैया की यादें ताज हो गई हैं. अक्षय कुमार एक बार फिर अपने कॉमिक अंदाज में नजर आ रहे हैं. ट्रेलर में वामिका गब्बी के साथ उनकी केमिस्ट्री भी खूब जंच रही हैं. राजपाल यादव और परेश रावल ने भी कॉमेडी का डबल डोज दिया है. ओवरऑल 'भूत बंगला' का ट्रेलर काफी धमाकेदार है जिससे ये तो पता चल गया कि अक्षय कुमार की ये फिल्म ह्यूमर, उथल-पुथल और हॉरर एलिमेंट से भरी होगी. ये एक ऐसा एरिया जहां अक्षय कुमार को पहले भूल भुलैया में सफलता मिल चुकी है. ट्रेलर में वधुसुर की कहानी दिखाई जाएगी. फिल्म के ट्रेलर को देख फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ गई है. वहीं 'भूत बंगला' का ट्रेलर देखने के बाद फैंस अब इस फिल्म की रिलीज का इंतजार नहीं कर पा रहे हैं.

अक्षय कुमार की फ़िल्म भूत बांग्ला में कई स्टार्स और दमदार कलाकारों की टीम है, जिसमें तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव, स्वर्गीय असरानी, वामिका गब्बी और मिथिला पालकर जैसे नाम शामिल हैं.यह फिल्म पहले 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में आने वाली थी, लेकिन बाद में धुरंधर 2 की चल रही लहर के कारण इसे पोस्टपोन कर दिया गया. अब एक्साइटमेंट को और बढ़ाते हुए, मेकर्स ने 16 अप्रैल को रात 9:00 बजे से पेड प्रीव्यू शो ऑर्गनाइज़ किए हैं.

पहले प्यार को हमेशा दूसरा मौका नहीं मिलता; इश्क में डूबे लक्ष्य-अनन्या; चांद मेरा दिल की पहली झलक आई सामने

एक्टर लक्ष्य और अनन्या पांडे को लेकर करण जौहर चांद मेरा दिल बना रहे हैं। धर्मा प्रोडक्शंस ने आज सोमवार को इस फिल्म की पहली झलक साझा की है। बीते दिन उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जानकारी दी थी कि वे आरव (लक्ष्य) और चांदनी (अनन्या पांडे) से मिलवाएंगे। आज उन्होंने फिल्म के पोस्टर्स रिलीज किए हैं, साथ ही कहानी की थोड़ी झलक भी दी है।

धर्मा प्रोडक्शंस के इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर किया गया है। इसके साथ फिल्म से जुड़े कई पोस्टर रिलीज किए गए हैं, जिनमें लक्ष्य और अनन्या रोमांटिक लुक में दिख रहे हैं। हर पोस्टर पर फिल्म की कहानी का मर्म लिखा है। इसमें लिखा है, प्यार में पड़ना आसान है। आगे बढ़ना मुश्किल है। जिंदगी जब सिलेबस बदल देती है। जब जिंदगी प्यार से भी तेज भागती है। हर मोहब्बत को दूसरा मौका नहीं मिलता।

इसके साथ कैप्शन लिखा है, पेश है एक प्रेम कहानी, जहां...जिंदगी प्यार से भी तेज चलती है। बता दें कि चांद मेरा दिल सिनेमाघरों में 22 मई, 2026 को रिलीज होगी।

पोस्टर्स पर नेटिजंस रिएक्ट कर रहे हैं। एक दिन पहले जिस अंदाज में एलान किया गया था, उसके हिसाब से अधिकांश यूजर्स टीजर की उम्मीद लगाए बैठे थे। यूजर्स लिख रहे हैं, टीजर कब आएगा? पोस्टर्स को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। लक्ष्य को नेटिजंस सकारात्मक रिएक्शन दे रहे हैं, वहीं अनन्या को ट्रोल किया जा रहा है। इतना ही नहीं, यूजर्स लक्ष्य को सुझाव दे रहे हैं कि वे अनन्या से दूर रहें। कुछ यूजर्स फिल्म के प्रति उत्साह जाहिर कर रहे हैं।

रिलीज हुआ टोस्टर का ट्रेलर, कंजूसी की हद पार करते नजर आए राजकुमार राव

राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा स्टारर अपकमिंग फिल्म टोस्टर का ट्रेलर रिलीज हो गया है। यह फिल्म डार्क कॉमेडी है। ट्रेलर में एक ऐसी कहानी की झलक मिलती है जो आम लोगों से जुड़ी है।

दो मिनट 42 सेकंड के ट्रेलर में ऐसे शख्स की कहानी दिखाई गई है जो बहुत कंजूस है। वह अपनी कंजूसी की वजह से मुसीबत में पड़ जाता है।

ट्रेलर की शुरुआत राजकुमार को दिखाने से होती है। वह छोटी-छोटी चीजों में पैसे बचाते हैं। एक करीबी की शादी में वह एक टोस्टर गिफ्ट देते हैं। बाद में शादी कैंसिल हो जाती है। इसके बाद राजकुमार राव उस परिवार से अपना गिफ्ट वापस मांगने वापस जाते हैं। टोस्टर वापस न मिलने की हालत में वह इसे चुरा लेते हैं। इसके बाद वह एक बड़ी मुसीबत में फंस जाते हैं।

ट्रेलर में राजकुमार राव के साथ सान्या मल्होत्रा भी हैं। उन्होंने इसमें राजकुमार राव की पत्नी का रोल किया है। वह राजकुमार राव की कंजूसी की आदत से परेशान होती हैं। ट्रेलर में अभिषेक बनर्जी की भी झलक दिखी है।

इन 5 टिप्स की मदद से सालों तक चलेगा आपका फ्रिज, बार-बार रिपेयर करवाने की नहीं पड़ेगी जरूरत

मार्च 2026 के अंत में उत्तरी और मध्य भारत के कई हिस्सों में भीषण गर्मी ने दस्तक दे दी है, और तापमान सामान्य स्तर से काफी ऊपर चला गया है. आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी होने की चेतावनी जारी की गई है, जिससे भीषण गर्मी और लू चलने जैसी स्थितियां पैदा हो सकती हैं. नतीजतन, लोग अपने रेफ्रिजरेटर का इस्तेमाल न केवल खाने-पीने की चीजों को सुरक्षित रखने के लिए कर रहे हैं, बल्कि पीने के पानी को ठंडा रखने के लिए भी कर रहे हैं.

वैसे तो घरों में साल के ज्यादातर समय रेफ्रिजरेटर का इस्तेमाल होता ही है, लेकिन गर्मियों के मौसम में इसके बिना किचन के काम-काज संभालना लगभग नामुमकिन हो जाता है. इसलिए, इस उपकरण का ठीक से रखरखाव करना और इसका सही तरीके से इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है. अगर आप गर्मियों के मौसम में रेफ्रिजरेटर का इस्तेमाल कर रहे हैं और चाहते हैं कि यह लंबे समय तक चले (खास तौर पर यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि गर्मी के मौसम में यह बिल्कुल भी खराब न हो) तो आज हम आपके साथ कुछ ऐसे टिप्स शेयर करने जा रहे हैं, जो आपके फ्रिज को लंबे समय तक बिना किसी परेशानी के काम करने में मदद करेंगे...

इन टिप्स का पालन करने से सालों तक बिना मरम्मत के चलेगा आपका फ्रिज....

फ्रिज के दरवाजें की रबर सील बदलें- अगर आप चाहते हैं कि आपका फ्रिज लंबे समय तक चले और उसमें कोई खराबी न आए, तो हर 12 महीने में इसके डोर पर लगी रबर सील की जांच करें. अगर वह ढीली हो जाए या कहीं से फट जाए, तो उसे बदल दें. अगर आप फ्रिज की रबर सील नहीं बदलते हैं, तो यूनिट पानी को ठीक से ठंडा नहीं कर पाएगी, और इससे कंप्रेसर पर भी बहुत अधिक जोर पड़ेगा. फ्रिज की रबर सील (गैस्केट) खराब होने पर ठंडी हवा बाहर निकलती है और गर्म हवा अंदर आती है, जिससे कूलिंग कम हो जाती है और कंप्रेसर पर लगातार दबाव पड़ता है. इससे बिजली का बिल बहुत बढ़ जाता है, फ्रिज के अंदर बर्फ जम सकती है और यहां तक कि कंप्रेसर जल सकता है.

कंडेंसर कॉइल्स को साफ करें-

अपने फ्रिज को खराब होने से बचाने के लिए, इसके कंडेंसर कॉइल्स को साल में कम से कम दो बार साफ करना चाहिए. इससे फ्रिज की लगभग 70 प्रतिशत आम समस्याएं हल हो जाती हैं. असल में, कॉइल्स और पंखे पर धूल जमने से कंडेंसर ठीक से काम करना बंद कर देता है, जिसके कारण कूलिंग ठीक से नहीं हो पाती. वहीं यदि आपके घर में पालतू जानवर हैं, तो हर 2-3 महीने में सफाई करें, क्योंकि उनके बाल कॉइल्स को जल्दी बंद कर सकते हैं.

फ्रीजर के वेंट्स साफ करें-

फ्रीजर के वेंट्स को साफ न करने से कूलिंग से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं. इसे समस्या से को रोकने के लिए, वेंट्स को साफ रखना बेहद जरूरी होता है, वेंट्स को साफ रखने से फ्रीजर के अंदर सही वेंटिलेशन बना रहता है और, इसके अलावा, इलेक्ट्रिसिटी बचाने में भी मदद मिलती है.

रेफ्रिजरेटर का तापमान 38 से 42 डिग्री फारेनहाइट के बीच रखें- अपने रेफ्रिजरेटर का तापमान हमेशा 38 से 42 डिग्री फारेनहाइट के बीच बनाए रखें. इसके अलावा, तापमान कंट्रोल सेटिंग्स पर नियमित रूप से नजर रखें और यह सुनिश्चित करें कि यूनिट में जरूरत से ज्यादा सामान न भरा हो. इन उपायों का पालन करके आप अपने रेफ्रिजरेटर को खराब होने से बचा सकते हैं.

रेफ्रिजरेटर को डीफ्रॉस्ट करें-

अपने रेफ्रिजरेटर को नुकसान से बचाने के लिए, समय-समय पर उसे डीफ्रॉस्ट करते रहें. डीफ्रॉस्ट करने से यूनिट के अंदर बर्फ जमने से बचाव होता है और बिजली की खपत कम करने में भी मदद मिलती है. रेफ्रिजरेटर को डीफ्रॉस्ट करने के लिए, सबसे पहले उसकी बिजली बंद कर दें और उसमें से सारा सामान निकाल लें. दरवाजा खुला छोड़ दें या बर्फ पिघलाने के लिए उसके अंदर गर्म पानी का एक कटोरा रख दें. किसी भी नोकदार चीज का इस्तेमाल न करें. जब बर्फ पिघल जाए, तो पानी पोंछ लें, अंदर से बेकिंग सोडा से साफ करें, फिर उसे अच्छी तरह सुखा लें और रेफ्रिजरेटर को दोबारा चालू कर दें.

क्या आपको भी आता है बहुत ज्यादा पसीना ? अगर हां, तो यह किसी अंदरूनी समस्या का हो सकता है संकेत

पसीना आना (चाहे कसरत की वजह से हो या गर्मी के संपर्क में आने से) एक नेचुरल फिजिकल प्रोसेस है, जो शरीर के तापमान को कंट्रोल करती है (थर्मोरेगुलेशन) और शरीर को ठंडा रखती है. पसीने की ग्रंथियों से निकलने वाली नमी त्वचा से भाप बनकर उड़ जाती है, जिससे शरीर की अधिक गर्मी निकल जाती है. यह प्रोसेस दिल की धड़कन और मेटाबॉलिक एक्टिविटी में बढ़ोतरी से शुरू हो सकती है, जैसे कि फिजिकल एक्टिविटी के दौरान. हालांकि पसीना आना आम तौर पर जीवन का एक नॉर्मल हिस्सा है, लेकिन बहुत ज्यादा पसीना आना चिंता और शर्मिंदगी का कारण बन सकता है. इसे न तो नजरअंदाज किया जाना चाहिए और न ही इसे कोई छोटी-मोटी समस्या मानकर टाल देना चाहिए. जानिए क्यों...

पसीना क्यों आता है?

क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार, पसीना एक नमकीन लिक्विड सब्सटेंस है जो त्वचा में मौजूद ग्रंथियों द्वारा शरीर के तापमान को एक हेल्दी लेवल पर बनाए रखने के लिए बनाया जाता है. यह शरीर को ज्यादा गरम होने से बचाता है और आपको सुरक्षित रूप से एक्सरसाइज करने, गर्मी में बाहर काम करने, या गर्म जलवायु में रहने में सक्षम बनाता है. हालांकि, कुछ हेल्थ कंडीशन दवाएं शरीर की सामान्य रूप से पसीना निकालने की क्षमता को प्रभावित कर सकती हैं. ऐसे में, यदि आपको ज्यादा पसीना आता है, तो यह इस बात का संकेत है कि आपको हाइपरहाइड्रोसिस की समस्या हो सकती है. हाइपरहाइड्रोसिस का अर्थ है बहुत ज्यादा पसीना आना, एक ऐसी स्थिति जो हमेशा गर्मी या शारीरिक मेहनत से जुड़ी नहीं होती. इस स्थिति के कारण आपको इतना ज्यादा पसीना आ सकता है कि आपके कपड़े पूरी तरह भीग जाएं या आपके हाथों से पसीना टपकने लगे. अत्यधिक पसीना आना आपकी रोजमर्रा की दिनचर्या को बाधित कर सकता है और सामाजिक चिंता व शर्मिंदगी का कारण बन सकता है.

बहुत ज्यादा पसीना आने के कारण

बहुत ज्यादा पसीना आने की समस्या का इलाज करना आम तौर पर फायदेमंद होता है. इलाज अक्सर पसीना कम करने वाले लोशन के इस्तेमाल से शुरू होता है. अगर इनसे आराम नहीं मिलता, तो आपको अलग-अलग दवाएं और थेरेपी आजमाने की जरूरत पड़ सकती है. गंभीर मामलों में, आपका डॉक्टर पसीने की ग्रंथियों को हटाने या बहुत ज्यादा पसीना आने के लिएजिम्मेदार नसों को काटने के लिए सर्जरी का सुझाव दे सकता है.

पसीना आने के फायदे

डिटॉक्स- आज के समय में, माइक्रोप्लास्टिक्स और प्रदूषण के कारण शरीर में कई तरह के जहरीले पदार्थ जमा हो रहे हैं. इनमें से कुछ जहरीले पदार्थ रोज नहाने से निकल जाते हैं. हालांकि, शरीर बाकी बचे कई जहरीले पदार्थों को पसीने के जरिए बाहर निकाल देता है. खास बात यह है कि पसीना उन जहरीले पदार्थों जैसे कि (सीसा, पारा, कैडमियम, आर्सेनिक और प्लास्टिक) को बाहर निकालता है, जो त्वचा की गहराई में जमा होते हैं.

एक अध्ययन के अनुसार , रेगुलर पसीना आना शरीर से अतिरिक्त सूक्ष्म पोषक तत्व, मेटाबॉलिक प्रोसेस के बेकार उत्पादों और टॉक्सिन्स को बाहर निकालने सहित अन्य महत्वपूर्ण होमियोस्टैटिक कार्यों के लिए जिम्मेदार है.

त्वचा की नमी के लिए जरूरी -

बंद रोमछिद्रों को खोलने के लिए पसीना आना फायदेमंद होता है. इसके अलावा, यह त्वचा की रेस्पिरेटरी प्रोसेस को बेहतर बनाता है. ड्राई स्किन से पीड़ित लोगों के लिए पसीना आना फायदेमंद होता है. इससे त्वचा नमीयुक्त और हाइड्रेटेड रहती है. पसीना त्वचा को मुलायम बनाने में भी मदद करता है. सैर, योग और व्यायाम के दौरान पसीना आने से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ती है.

कौन होगा संयुक्त राष्ट्र में एंटोनियो गुटेरेस का उत्तराधिकारी, दो महिला नेताओं सहित कुल चार दावेदार

जिनेवा,(ए.)। संयुक्त राष्ट्र का नया महासचिव इस वर्ष चुना जाएगा और 1 जनवरी, 2027 से पांच वर्ष के लिए कार्यभार संभालेगा। वर्तमान महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का दूसरा कार्यकाल दिसंबर 2026 में समाप्त होगा। इस चुनाव में दो महिला नेताओं सहित कुल चार उम्मीदवार हैं, और यह ऐतिहासिक रूप से पहली बार है जब किसी महिला के महासचिव बनने की उम्मीद है। उम्मीदवारों को संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों द्वारा नामांकित किया जाना अनिवार्य है। इस बार दौड़ में चिली की पूर्व राष्ट्रपति और संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बैचेलेट, कोस्टा रिका की पूर्व उपराष्ट्रपति और व्यापार एवं विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन की महासचिव रेबेका ग्रिन्स्पैन, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रोसी और सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी सॉल शामिल हैं। बैचेलेट को ब्राजील और मैक्सिको ने, ग्रिन्स्पैन को कोस्टा रिका ने, ग्रोसी को अर्जेंटीना ने और सॉल को बुरुंडी ने नामांकित किया है।

चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत 25 नवंबर को हुई, जब सुरक्षा परिषद और महासभा की अध्यक्षों ने सदस्य देशों से नामांकन आमंत्रित किया। उम्मीदवार 21 और 22 अप्रैल को न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में संवाद सत्रों में अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करेंगे। प्रत्येक सत्र तीन घंटे का होगा और इसका ऑनलाइन प्रसारण किया जाएगा। उम्मीदवारों से महासभा के सदस्य देश प्रश्न पूछ सकते हैं। महासचिव की नियुक्ति 193 सदस्यीय महासभा द्वारा सुरक्षा परिषद की सिफारिश के आधार पर की जाती है। सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्य—चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका—वीटो शक्ति रखते हैं।

पिछले वर्ष सितंबर में एक प्रस्ताव में ''खेद'' जताया गया कि अब तक कोई महिला महासचिव नहीं बनी, और सदस्य देशों से महिला उम्मीदवारों को नामांकित करने का आग्रह किया गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई अभियान जैसे ''वुमेन एसजी'' और ''1 फॉर 8 बिलियन'' महिला महासचिव की मांग कर रहे हैं। उनका मानना है कि महिला महासचिव केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता के लिए आवश्यक है। इस चुनाव में लैटिन अमेरिका की बारी है, लेकिन राजनयिक कुछ अन्य क्षेत्रों से भी उम्मीदवारों की उम्मीद कर रहे हैं। आगामी चुनाव वैश्विक स्तर पर नेतृत्व में विविधता और लैंगिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है।

प्रक्रिया क्या है?

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद इस वर्ष के अंत में महासभा को 10वें संयुक्त राष्ट्र महासचिव के चुनाव के लिए औपचारिक रूप से एक उम्मीदवार की सिफारिश करेगी। सुरक्षा परिषद आम सहमति बनने तक गुप्त मतदान करेगी, जिसे अनौपचारिक मतदान कहा जाता है। अनौपचारिक मतदान में प्रत्येक उम्मीदवार के लिए परिषद के सदस्यों को दिए गए विकल्प हैं- प्रोत्साहित करना, हतोत्साहित करना या कोई राय नहीं देना। अंततः, वीटो शक्ति रखने वाले पांच स्थायी परिषद सदस्य संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस को एक उम्मीदवार पर सहमत होना होगा। अनौपचारिक मतदान में वीटो शक्ति के लिए मतपत्र परंपरागत रूप से 10 निर्वाचित सदस्यों के मतपत्रों से अलग रंग के होते हैं। जब 2016 में गुटेरेस को चुना गया था, तब सुरक्षा परिषद को सहमति तक पहुंचने में छह अनौपचारिक मतदान लगे थे।

तुर्की के इस्तांबुल में इजरायल दूतावास के पास गोलीबारी, 3 लोगों की मौत

इस्तांबुल। तुर्की के इस्तांबुल में मंगलवार को इजरायली वाणिज्य दूतावास की इमारत के पास गोलीबारी की घटना हुई है, जिसमें 3 लोग मारे गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, गोलीबारी एक उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में हुई, जहां दूतावास की उपस्थिति के कारण पुलिस नियमित रूप से तैनात रहती है। गोलीबारी में 2 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। गोलीबारी किसने की है, इसको लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की हालत गंभीर, कोम शहर में इलाज जारी

तेहरान, (आरएनएस)। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई को लेकर बड़ा दावा सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के शहर कोम में उनका इलाज जारी है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। कहा जा रहा है कि वह बेहोश हैं और किसी भी फैसले में शामिल नहीं हो पा रहे। यह पहली बार है जब उनकी जगह सार्वजनिक हुई है। तेहरान से करीब 140 किमी दूर कोम को शिया इस्लाम का धार्मिक केंद्र माना जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और इजरायल की खुफिया एजेंसियों को पहले से उनकी लोकेशन की जानकारी थी। एक डिप्लोमैटिक मेमो में कहा गया है कि मोजतबा गंभीर हालत में हैं और शासन के फैसलों से दूर हैं। इसी बीच, 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल की स्ट्राइक में मारे गए उनके पिता अली खामेनेई के शव को कोम में ही दफनाने की तैयारी चल रही है, जहां बड़े मकबरे के निर्माण की भी बात सामने आई है।

ईरान ने पुष्टि की है कि मोजतबा खामेनेई उसी हमले में घायल हुए थे, जिसमें अली खामेनेई, उनकी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्य मारे गए। हमले के बाद से मोजतबा सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं। हालांकि, ईरानी सरकार का कहना है कि वह अभी भी देश की कमान संभाल रहे हैं, लेकिन उनकी हालत को लेकर अलग-अलग दावे सामने आए हैं।

ट्रंप के अल्टीमेटम का समय नजदीक, ईरान में बिजली संयंत्रों के आसपास मानव श्रृंखला की तैयारी

वाशिंगटन, (आरएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी को देखते हुए ईरान ने देशभर के युवाओं को एकजुट होने और अपना समर्थन देने की अपील की है। ईरान के खेल एवं युवा मंत्रालय ने खिलाड़ियों, कलाकारों, छात्रों समेत सभी युवाओं से देश के प्रमुख बिजली संयंत्रों के आसपास इकट्ठा होने और मानव श्रृंखला बनाने का आह्वान किया है। बता दें कि ट्रंप ने युद्धविराम पर फैसला लेने के लिए ईरानी प्रशासन को मंगलवार रात का समय दिया है।

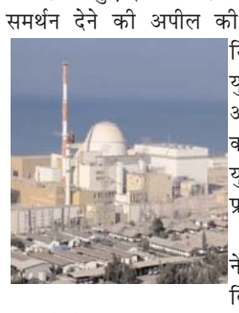

युवा मामलों के उपमंत्री अलीरेजा रहीमी ने कहा कि यह पहल युवाओं ने की है और कई विश्वविद्यालय के युवाओं, कलाकारों, युवा संगठनों ने प्रस्ताव दिया कि हम देश के बिजली संयंत्रों के चारों ओर एक मानव घेरा बनाएं। उन्होंने आगे कहा कि उज्ज्वल भविष्य के लिए ईरानी युवाओं की मानव श्रृंखला नामक अभियान एकता और दृढ़ संकल्प को दर्शाने के लिए है, जो बुनियादी ढांचे की रक्षा का प्रतीक होगा। इस दौरान युवा संयंत्रों के चारों ओर खड़े होंगे।ट्रंप ने ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और युद्धविराम पर समझौता करने के लिए मंगलवार रात 8 बजे (पूर्वी समय) तक का समय दिया है। ट्रंप ने कहा है कि अगर तेहरान कोई पहल नहीं करता है तो अमेरिका उनके बुनियादी ढांचों पर हमला करेगा और इस बार निशाना पुल और बिजली संयंत्र होंगे।

अमेरिका के रेस्क्यू ऑपरेशन के बीच में चीन ने कर दिया खेल, दुनिया हैरान

दावा- कार्गो विमान पहुंचे ईरान, जो यूरेनियम था निकाल ले गया ड्रैगन

बीजिंग,(ए.)। जब दुनिया की नजरें एक तरफ अमेरिका के रेस्क्यू ऑपरेशन पर टिकी थी। जहां एफ15 ईगल के पायलट को बचाने की जद्दोजहद चल रही थी। उसी वक्त एक ऐसा खेल हुआ जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया और यह खेल चुपचाप हुआ। बिना शोर के और सीधे अमेरिका को यहां पर चैलेंज दिया गया। यह दावा किया गया कि चीन ने ईरान में अपने विमान भेजे और उन्हीं विमानों में हथियार भी पहुंचाए साथ ही ईरान का जो यूरेनियम था वो भी बाहर निकाल लिया।

रिपोर्ट्स और चर्चाओं में यह दावा सामने आ रहा है कि चीन के कार्गो विमान ईरान पहुंचे। ऊपर से लॉजिस्टिक सपोर्ट दिख रहा था, लेकिन अंदर क्या था? यह सबसे बड़ा सवाल अब भी बना हुआ है। दावा किया जा रहा है कि इन विमानों में मिसाइल के पार्ट्स, डिफेंस इक्विपमेंट भेजा गया और वापसी में ईरान का संवेदनशील यूरेनियम साथ ले गया। अगर यह सच है तो इसके पीछे का

गेम क्या है? अमेरिका ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को खत्म करना चाहता है। यूरेनियम सबसे बड़ा टारगेट है अमेरिका का। अगर चीन उसे अपने पास ले जाता है तो सीधे-सीधे इसे अमेरिका को चैलेंज करना है और अमेरिका को यह मैसेज देना है कि अब अगर हिम्मत है तो चीन से इसे लेकर दिखाए यानी ईरान को भी बचाया और खुद को भी एक बड़ी स्ट्रेटेजिक पोजीशन पर चीन यहां पर ले आया। यह दावा सामने आया है कि यह सब कुछ उस समय हुआ जब अमेरिका अपने पायलट को बचाने में उलझा था। ऑपरेशन चलाया जा रहा था। फोकस था रेस्क्यू मिशन पर। मीडिया का ध्यान वहीं था और इसी डिस्ट्रैक्शन के बीच चीन ने अपना ऑपरेशन पूरा कर लिया।

क्या यह वाकई संभव है? अगर कार्गो फ्लाइट्स पहले से ही अप्रूव्ड हो। मिलिट्री कोऑर्डिनेशन पहले से ही बेहतर हो और ऑपरेशन हाई सीक्रेट रखा जाए, लेकिन अभी तक बता दें कोई भी आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है और ना ही कोई ठोस सबूत सामने आए हैं इस दावे को लेकर। कुल मिलाकर कहे तो यह एक स्ट्रांग जियोपॉलिटिकल थ्योरी समेत सामने आई हैं इस पूरी स्थिति को देखकर जिसे अभी जांचा जाना बाकी है और अगर यह दावा सही साबित होता है तो यह गेम चेंजर भी साबित होगा मिडिल ईस्ट की जंग पर। सीधे चीन जो अमेरिका को चैलेंज कर रहा है।ईरान को न्यूक्लियर शील्ड मिल जाएगी और पावर बैलेंस पूरी तरह से यहां पर बदल सकता है। यानी यह सिर्फ एक ऑपरेशन नहीं यह ग्लोबल पावर शिफ्ट की शुरुआत हो सकती है।

इजरायल की ईरान को बड़ी चेतावनी, अगले 12 घंटे तक ट्रेन और ट्रैक से दूर रहें

यरूशलम (आरएनएस)। इजरायल ने ईरान के लोगों के लिए बड़ी चेतावनी जारी की है। उसने बड़े हमले की संभावना जताते हुए सभी लोगों से अगले 12 घंटे में रेलवे ट्रेन से दूर रहने की अपील की है। इजरायली सेना ने अपने फारसी एक्स अकाउंट में लिखा कि ट्रेनों में और रेलवे लाइनों के आस-पास आपकी उपस्थिति आपके जीवन को खतरे में डाल सकती है। बता दें कि अमेरिका ने भी ईरान को मंगलवार रात 9 बजे तक अल्टीमेटम दिया है।

इजरायली सेना ने लिखा, ईरान में ट्रेन यात्रियों के लिए तत्काल चेतावनी। प्रिय नागरिकों, आपकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, हम आपसे विनम्र अनुरोध करते हैं कि अभी से लेकर ईरान के समय अनुसार 9 बजे तक, आप पूरे ईरान में ट्रेन का उपयोग करने और उससे यात्रा करने से बचें। ट्रेनों में और रेलवे लाइनों के आस-पास आपकी उपस्थिति आपके जीवन को खतरे में डाल सकती है।शांति प्रयासों के बीच ईरान और इजरायल का एक-दूसरे पर हमला जारी है।सूत्रों ने बताया कि मंगलवार तड़के अमेरिकी-इजरायली हमलों में तेहरान में एक यहूदी प्रार्थना स्थल रफी-निया सिनेगॉग पूरी तरह नष्ट हो गया। बता दें कि ईरान में यहूदी धर्म को आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त है, और यहां अभी भी यहूदियों की एक छोटी आबादी है। वर्ष 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद कई यहूदी देश छोड़कर चले गए थे।

खेल समाचार

कैमरून ग्रीन का खराब प्रदर्शन जारी, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने केकेआर मैनेजमेंट को दी ये सलाह

नईदिल्ली (आरएनएस)। आईपीएल के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी कैमरून ग्रीन इस सीजन वैसा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं जैसा उनसे केकेआर फैंस को उम्मीद थी. वो अब तक खेले गए तीन मैच में केवल 24 रन ही बना पाए है. आईपीएल 2026 में ग्रीन ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 10 गेंदों में 18 रन बनाकर तेज तर्रार अंदाज में अपनी पारी की शुरुआत की थी, लेकिन वह लंबी पारी नहीं खेल सके।

उसके बाद दूसरे मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ वह 2 रन बनाकर रन आउट हो गए. जबकि तीसरे मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ बारिश से प्रभावित मैच में भी वह 4 रन बनाकर सस्ते में आउट हो गए. उनके लगातार खराब प्रदर्शन ने लोगों का ध्यान खींचना शुरू कर दिया है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच ने ग्रीन की फॉर्म पर अपनी राय देते हुए कहा कि उनके खेलने के तरीके में कुछ चिंताजनक बातें साफ नजर आ रही हैं. फिंच ने ईएसपीएन क्रिकइंफो से बातचीत में कहा, उनमें से एक बार वह रन आउट हुए थे, जिसमें उनकी कोई गलती नहीं थी. फिर भी, वह दो बार नाकाम रहे हैं. उनमें थोड़ी घबराहट दिख रही है, वह अब पहले जैसे नहीं लग रहे।

फिंच ने आगे कहा, याद है जब वह एमआई के लिए बैटिंग ऑर्डर में ऊपर खेलते थे, तब उनका खेलने का अंदाज कितना अलग होता था. तब वो क्रीज पर वह तब काफी हावी होकर खेलते थे. अब वह थोड़े हिचकिचाते हुए दिख रहे हैं. उन्हें बैटिंग ऑर्डर में नीचे मत भेजो. या तो उन्हें ऊपर भेजो, या फिर उन्हें आराम दो।

IPL 2026: एक नहीं, केकेआर के सामने नजर आ रहीं कई मुश्किलें, बिगड़ सकता है पूरा गणित

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की शुरुआत आईपीएल 2026 में निराशाजनक हुई है। तीन मुकाबलों के बाद भी केकेआर को इस सीजन की अपनी पहली जीत की तलाश है। तीन बार की चैंपियन केकेआर के सामने कई परेशानियां नजर आ रही हैं, जिसका हल अगर समय रहते नहीं खोजा गया, तो टीम को खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। सलामी जोड़ी की समस्या: केकेआर के लिए इस सीजन पारी का आगाज फिन एलन और अजिंक्य रहाणे करते हुए नजर आए हैं। एलन ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे हैं, लेकिन रहाणे की फॉर्म चिंता का विषय है। कुछ दमदार शॉट्स लगाने के बाद रहाणे पावरप्ले में काफी धीमे पड़ जा रहे हैं। वहीं, एलन शुरुआत तो धमाकेदार अंदाज में कर रहे हैं, लेकिन अब तक वह बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे हैं।कैमरून ग्रीन की खराब फॉर्म- केकेआर ने ऑक्शन में कैमरून ग्रीन के लिए 25.20 करोड़ रुपये खर्च किए थे। हालांकि, ग्रीन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा बताई गई उनकी पीठ की इंजरी और वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर शुरुआती मुकाबलों में गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। इसके साथ ही बल्लेबाजी में भी नंबर तीन पर खेलते हुए कोई खास कमाल नहीं दिखा पा रहे हैं। 3 मुकाबलों के बाद ग्रीन के बल्ले से सिर्फ 24 रन निकले हैं। मिडिल ऑर्डर: केकेआर का मिडिल ऑर्डर भी आईपीएल

2026 में खोखला नजर आ रहा है। अंगकृष रघुवंशी ने जरूर नंबर 4 पर खेलते हुए अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया है, लेकिन उन्हें बाकी बल्लेबाजों का कोई खास साथ नहीं मिल सका है। आमतौर पर केकेआर के लिए फिनिशर की भूमिका निभाने वाले रिंकू सिंह को इस सीजन नंबर पांच पर उतारा जा रहा है।

रिंकू ने 2 पारियों में 68 रन तो बनाए हैं, लेकिन उनका विस्फोटक अंदाज देखने को नहीं मिला है। रमनदीप सिंह,अनुकूल रॉय और सुनील नरेन से केकेआर हर मुकाबले में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद नहीं कर सकती है। नरेन को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ नंबर 8 पर भेजा गया था और वह सिर्फ 12 रन ही बना सके थे। वहीं, रमनदीप 10 और अनुकूल बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए थे। मध्यक्रम में अनुभवी या बड़े बल्लेबाज की कमी साफतौर पर दिखाई दे रही है। गेंदबाजी भी बनी सिरदर्द: केकेआर के लिए आईपीएल 2026 में तेज गेंदबाजी को सबसे कमजोर कड़ी माना जा रहा था। यह बात शुरुआती मुकाबलों में पूरी तरह से सही साबित भी हुई है। वैभव अरोड़ा और ब्लेसिंग मुजरबानी काफी महंगे साबित हुए हैं। वहीं, कार्तिक त्यागी भी उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके हैं। पेस के साथ स्पिन विभाग में वरुण चक्रवर्ती और सुनील नरेन की खराब फॉर्म ने टीम की परेशानियों में इजाफा करने का काम किया है। वरुण-नरेन की जोड़ी पर केकेआर पिछले कुछ सालों से काफी निर्भर रही है और इन दोनों का खराब प्रदर्शन टीम को भारी पड़ रहा है।

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथः मार्च महीने के लिए नामांकित हुए जसप्रीत बुमराह और संजू सैमसन

नईदिल्ली, (आरएनएस)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने मार्च महीने के प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए जसप्रीत बुमराह और संजू सैमसन को नामांकित किया है। इन दोनों खिलाड़ियों ने भारतीय टीम को टी-20 विश्व कप 2026 का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इनके अलावा दक्षिण अफ्रीका के कॉनर एस्टरहुइजन भी इस पुरस्कार के लिए नामित हुए हैं। बता दें कि एस्टरहुइजन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था।

टी-20 विश्व कप में सैमसन को शुरुआती मुकाबलों में भारत की प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला। हालांकि, जब उन्हें चुना गया तो उन्होंने अपने प्रदर्शन से सबका दिल जीता था। इस खिलाड़ी ने 5 मैच की 5 पारियों में 80.25 की उम्दा औसत और 199.37 की स्ट्राइक रेट से 321 रन बनाए थे। मार्च 2026 में उन्होंने 3 पारियों में 137.50 की औसत और 199.27 की शानदार स्ट्राइक रेट से 275 रन बनाए थे।

बुमराह ने टी-20 विश्व कप 2026 में 8 मैच खेले थे, जिसमें उन्होंने 12.42 की औसत के साथ 14 विकेट लिए थे। वह उस टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। मार्च में बुमराह ने 3 मैच खेले थे, जिसमें उन्होंने कुल 7 विकेट लिए थे। उन्होंने टी-20 विश्व कप के फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 विकेट (4/15) लिए थे, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था।

एस्टरहुइजन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी पहली टी-20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 5 मैचों में 200 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 50.00 और स्ट्राइक रेट 145.98 रहा था। एसए20 सीजन में जबरदस्त प्रदर्शन के बाद, एस्टरहुइज़न ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय की शुरुआत 45* रन बनाकर की थी। सीरीज के चौथे मैच में उन्होंने 33 गेंदों पर 57 रन बनाए थे, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था।

आईपीएलः इन बल्लेबाजों ने किसी एक टीम के खिलाफ लगाए हैं 50+ छक्के

नईदिल्ली,(आरएनएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कुछ बल्लेबाजों को विशेष टीम के खिलाफ बल्लेबाजी करना पसंद होता है। वह अपनी पसंदीदा टीमों के खिलाफ अविश्वसनीय प्रदर्शन करते हुए खूब रन बटोरते हैं। आईपीएल के इतिहास में अब तक चुनिंदा बल्लेबाज ही किसी एक टीम के खिलाफ 50 छक्के मारने में सफल हुए हैं। इस बीच उन बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं, जो किसी एक टीम के विरुद्ध 50 या उससे अधिक छक्के लगा चुके हैं।

पूर्व दिग्गज क्रिस गेल अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर थे। वह अपनी उपस्थिति भर से विपक्षी गेंदबाजों में खौफ भर देते थे। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ 16 मैच खेले थे और इसकी 16 ही पारियों में 53.13 की औसत और 174.78 की स्ट्राइक रेट के साथ 797 रन बनाए थे, जिसमें 2 शतक और 6 अर्धशतक शामिल थे। उन्होंने इस टीम के विरुद्ध कुल 63 छक्के लगाए थे।

गेल के कोलकाता नाइट राइडर्स के विरुद्ध भी उम्दा आंकड़े रहे हैं। उन्होंने इस टीम के खिलाफ 19 मैचों की 19 पारियों में 43.75 की औसत और 151.84 की स्ट्राइक रेट से 700 रन बनाए हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उन्होंने 54 छक्के लगाए थे। उन्होंने आईपीएल में 142 मैच खेले थे, जिसकी 141 पारियों में 39.72 की औसत और 148.96 की स्ट्राइक रेट से 4,965 रन बनाए थे। इसमें उनके नाम 6 शतक और 31 अर्धशतक भी दर्ज हैं।

एमआई के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध अब तक 51 छक्के लगाए हैं। उन्हें इस टीम के खिलाफ बल्लेबाजी करना पसंद है। रोहित ने दिल्ली कैपिटल्स टीम के खिलाफ 38 मैच खेले हैं और इसकी 38 पारियों में 31.2 की औसत और 132.68 की स्ट्राइक रेट से 1,092 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 6 अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 74* रन रहा है।

आईपीएल में आज होगा दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस में मुकाबला

नई दिल्ली (ए)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बुधवार को अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला गुजराज टाइटंस से होगा। यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाले इस मैच में दिल्ली की टीम को अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। उसका लक्ष्य इस मैच को किसी भी प्रकार जीतना रहेगा। वहीं दूसरी और गुजरात के कप्तान शुभमन गिल की टीम भी इस मैच को जीतकर लय हासिल करना चाहेगी। अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच ही 7 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 4 गुजरात जबकि 3 दिल्ली ने जीते हैं। दोनो के बीच पिछला मुकाबल साल 2025 में हुआ था जिसमें गुजरात जीती थी।

इस बार हालांकि हालात अलग हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ। ऐसे में गुजरात के बल्लेबाजों के लिए उसका सामना करना कठिन होगा। वहीं बल्लेबाजी की बात करें तो दिल्ली के युवा बल्लेबाज समीर रिजवी अच्छे फार्म में हैं। रिजवी ने पिछले दो मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की थी। उसके पास के एल राहुल जैसा शीर्ष स्तर का बल्लेबाज भी है। राहुल हालांकि इस सत्र में अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। उनका लक्ष्य लंबी पारी खेलना रहेगा। तीसरे नंबर पर नीतीश राणा पर भी इस मैच में रन बनाने का दबाव रहेगा। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका ने यहां पिछले मैच में अपनी लय हासिल कर ली थी, जिसका लाभ उन्हें मिलेगा। दिल्ली के सलमी बल्लेबाजों को पावरप्ले में गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाजों कैगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज से सावधान रहना होगा।

दिल्ली कैपिल्स की गेंदबाजी लुंगी एनगिडी, मुकेश कुमार, कुलदीप यादव पर निर्भर करेगी। कप्तान अक्षर पटेल भी एक अच्छे स्पिनर हैं और उनका भी सहयोग मिलेगा। इसके अलावा टीम के पास टी नटराजन जैसा तेज गेंदबाज भी है। वहीं शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटन्स इस बार एक भी जीत हासिल नहीं कर पायी है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज विफल रहे हैं। टीम अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों साई सुदर्शन और शुभमन पर जरूरत से ज्यादा निर्भर नजर आ रही है और उसका मध्यक्रम भी अबतक विफल रहा है।

युवा तेज गेंदबाज वैशाख ने श्रेयस अय्यर को अच्छा कप्तान बनाया

मुम्बई (ए.)। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स टीम ने आईपीएल के इस 19 वें सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम ने अब तक के अपने दोनो मुकाबले आसानी से जीते हैं।

पिछले सत्र में भी श्रेयस की कप्तानी में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया था पर तब वह उपविजेता रही थी। अब इस सत्र में टीम का लक्ष्य खिताब जीतना है। टीम के युवा खिलाड़ी भी अपने कप्तान से खुश हैं। इसी कड़ी में तेज तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाख ने अय्यर को एक अच्छा कप्तान बताया और कहा कि कि वह हमेशा अपने साथियों का समर्थन करते हैं। अगर किसी खिलाड़ी का प्रदर्शन कमजोर हो तो भी वह बचाव करते है। एक गेंदबाज के लिए इस प्रकार का समर्थन जरुरी है। वह बेहतीन खिलाड़ी हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि वह जल्द ही टीम इंडिया के कप्तान बनेंगे।वैशाख ने अय्यर के व्यवहार को टीम की सफलता की बड़ी वजह बताया। उन्होंने कहा, वह टीम का माहौल हमेशा हल्का रखते हैं। वह हर खिलाड़ी से एक जैसा व्यवहार करते हैं, चाहे वह सीनियर हो या जूनियर। यही चीज हमें और ज्यादा सहज बनाती है।

वर्षों बाद पढ़े लिखे इंजीनियरों की अकल जैसा काम होता दिख रहा नर्मदा महाविद्यालय के सामने

जल प्रदाय पाइप लाइन के लिए बगैर सड़क खोदे सड़क से दूर खाली जगह पर हो रही खुदाई गुजरात के इंजीनियरों और ठेकेदारों से डरते हैं शासन प्रशासन में बैठे जबावदार ?

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। 80 प्रतिशत शहर में सीवेज की नालियों और बेमतलब की अमृत योजना के तहत जो सड़कों के बीच में खुदाई हुई है। जिससे शहर की हालत तहस नहस है। यह बदतर हालत गुजरात के इंजीनियरों व ठेकेदारों के द्वारा पिछले तीन चार वर्षों में कर दी है। इन ठेकेदारों से शासन प्रशासन में बैठे लोगों को भी डर लगता है। मजाल है कि सड़कों की खस्ताहाल स्थिति बनाने वालों पर कोई ठोस कार्रवाई करवा सकें हों। लोगों के लिए सीवेज के घटिया कार्य और बेतुकी अमृत योजना के नाम पर जो सड़कों को बार बार खोदा गया। उसकी मरम्मत के नाम पर लीपापोती की गई उसके लिए प्रशासन ने चूं तक नहीं की। क्योंकि यदि ज्यादा चूचापट करते तो पावरफुल ठेकेदार उनका तबादला झाबुया करवा देते। इसी डर से सड़कों को खोदने वाले जहां पर मर्जी आई वहां से अच्छी भली सड़कों को बेढंगेपन से खुदाई करवाते रहे। उसकी मरम्मत के नाम पर कई महिनों यहां तक कि सालों होने को आई अनेक स्थानों पर गड्ढे बने हुए हैं। उन्हें सुधरवाने के लिए पार्षदों की तो हिम्मत हीं नहीं हो सकती। उनसे बढ़े कुछ जनप्रतिनिधियों जरूर एक दो बार सड़कों को खोदने वाले ठेकेदारों पर कार्रवाई करने के लिए जिला प्रशासन में बैठे सुस्त अधिकारियों से कहा तो उन्होंने इस कान से सुना दूसरे कान से निकाल दिया। किसी ठेकेदार का बाल बांका तक नहीं कर पाए।

पहली बार अकल से काम

जब से सड़कों को खोद कर उन्हें बर्बाद करने वाले तथाकथित इंजीनियरों की देखरेख में कार्य शुरू हुआ तब से कई स्थानों पर पर्याप्त जगह होने के बाद भी वे बेअकल लोगों की तरह सड़कों की बेरहमी से खुदाई करवाते रहे। खुदी हुई सड़कों की मिट्टी गिट्टी मलवा वहीं पर महिनो पड़ा रहा जैसे उन सड़कों से किसी का आना जाना ही नहीं हो रहा हो। एक दो जगह हल्का फुल्का विरोध होने पर वहां की सड़कों का काम चलाऊ सुधार कर दिया गया। पहली बार नर्मदा महाविद्यालय के सामने वाले हिस्से में या ऐसा भी माना जा सकता है कि सर्किट हाउस के पास लेकर नर्मदा महाविद्यालय के सामने से मीनाक्षी क्षेत्र की ओर जा रही पाइप लाइन के लिए जो खुदाई हो रही है उससे सड़क की खुदाई से बचाव का प्रयास होता नजर आ रहा है। यह कुछ अकल का काम लग रहा है। ऐसा और भी जगह हो सकता था। लेकिन अकल नहीं लगाई गई। सीधे सड़क को खोदा और आगे बढ़ते गए। जैसे तैसे पाइप फसाया और भुगतान लेते जा रहे हैं। फायनल में क्या स्थिति रहेगी कुछ नहीं कह सकते हैं। घटिया काम का खामियाजा शहरवासी भुगत भी सकते हैं। लेकिन तब कोई सुनने वाला नहीं रहेगा।

सीधे सच्चे लोग होने का फायदा

चाहे ठेकेदार हो या इंजीनियर हो या मुसाफिर की तरह कुछ दिन रूक कर नौकरी बजाकर चलते बनने वाले अधिकारी हों सबको पता चल जाता है कि यहां के जनप्रतिनिधि सीधे, जनता सीधी, मीडिया सीधी, कुछ भी करते रहो कोई कहने सुनने वाला नहीं इसलिए मनमर्जी का काम चलता रहता है। चालक चालबाज लोग सीधे लोग होने का फायदा उठाते रहते हैं। सत्तापक्ष में बैठे लोग भी ज्यादा कुछ नहीं कह पाते हैं विपक्ष भी कमजोर है। तभी तो मनमानी चलती रहती है। बड़ी मुश्किल से बनी सड़कों को खोदकर क्या हालत कर दी। फिर भी लोगों में कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई।

पानी के लिए भटक रहे वन्य प्राणी

नर्मदापुरम (निप्र)। तेज गर्मी के कारण वन्य प्राणियों को पानी की कमी होने लगी है। शहर के पास के हर्बल पार्क में बड़ी संख्या में राष्ट्रीय पक्षी मोर सहित अन्य छोटे वन्य प्राणी विचरण करते हैं। पहले यहां पर जगह जगह कुंड बने हुए थे जिनके पास ये वन प्राणी पहुंच कर पानी पी लेते थे। लेकिन हर्बल पार्क की उपेक्षा के बाद से कुंड सूख गए हैं। जिससे वहां पर पानी की कमी होने से पशु परेशान हो रहे हैं। ये पशु हर्बल पार्क से बहार आकर लोगों के घरों तक पहुंचने लगे हैं। वहीं सुबह के समय नर्मदा तट के पास बने पोखरों में पानी पीने के लिए पहुंच रहे हैं। लेकिन दोपहर के समय तटीय क्षेत्र में चहल पहल होने से ये पशु जंगल क्षेत्र में ही पानी की तलाश में भटकते रहते हैं। कुछ स्थानों पर नाले या गंदा पानी पीने से इन पशुओं के बीमार होने की संभावना भी बन रही है।

आमजन की समस्याओं पर कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना की सीधी सुनवाई

जनसुनवाई में कलेक्टर ने आमजन की समस्याएं सुन कई मामलों का मौके पर ही किया समाधान

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई के दौरान जिलेभर से आए नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना गया। जनसुनवाई में राजस्व, रास्ता विवाद, पेंशन, अतिक्रमण, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न विभागों से संबंधित 104 आवेदनों पर सुनवाई कर उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, एडीएम अनिल जैन, अपर कलेक्टर बृजेंद्र रावत, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती सरोज परिहार, श्रीमती नीता कोरी, एसडीएम नर्मदापुरम जय सोलंकी सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे।जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ने कई मामलों में संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश देकर तत्काल निराकरण सुनिश्चित कराया। जिला मुख्यालय के साथ-साथ विकासखंड स्तर के मामलों का भी प्रभावी समाधान करते हुए कलेक्टर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए समस्याओं के शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में नर्मदापुरम निवासी मनोज शर्मा के प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास आवंटन संबंधी आवेदन पर कलेक्टर ने सीएमओ नर्मदापुरम को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। इसी प्रकार कमल दुबे द्वारा कलेक्टर दर के आधार पर पूर्ण वेतन भुगतान न मिलने की शिकायत पर कलेक्टर ने सीएमएचओ नर्मदापुरम को नियमानुसार भुगतान करने के लिए निर्देशित किया साथ ही यह निर्देश भी दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि न्यूनतम मजदूरी से कम भुगतान न हो। एक अन्य प्रकरण में तहसील बनखेड़ी के कंछेदी लाल वर्मा द्वारा उनकी आवासीय एवं कृषि भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत पर कलेक्टर ने तहसीलदार बनखेड़ी को मौके पर पहुंचकर जांच करने एवं भूमि को कब्जा मुक्त कराने के निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम खिड़िया एवं ग्राम मरकाढाना निवासी कुछ कृषकों द्वारा समर्थन मूल्य पर विक्रय उपज की राशि प्रदान नही कि गयी हैं। जिस पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर ने जिला आपूर्ति अधिकारी नर्मदापुरम को मामले कि जांच कर शीघ्र भुगतान कराने के लिए निर्देशित किया।

बादलों ने कम की पारे की चाल

गर्मी का असर बरकरार

नर्मदापुरम (निप्र)। तेज गर्मी के असर के चलते आसमान में बादल मंडराते जा रहे हैं। इन बादलों के कारण पारे का असर कम जरूर हो गया है। लेकिन गर्मी का असर तेज ही बना हुआ है। आसमान पर बादल जरूर छाए हुए हैं फिर भी धूप का असर तेज बना हुआ है। बीते दो दिन से जो लू चल रही है। उसमें कमी नहीं आ रही है। जिससे क्षेत्र में गर्मी ने अप्रैल

के पहले सप्ताह से ही लोगों को अभी से बेहाल कर दिया है। तेज तपन और लू के थपेडे से लोग परेशान होने लगे हैं। इसी के चलते हर घर में अचानक कूलर और एसी का उपयोग तेज होने लगा है। मौसम विभाग के द्वारा बताया गया कि बादलों की आमद के कारण तापमान में हल्की से कमी आई है। बीते दिनों से तापमान कम हुआ है लेकिन गर्मी यथावत है। सोमवार को अधिकतम तापमान 40-41 के आस पास दर्ज हुआ है। वहीं न्यूनतम तापमान 24-26 डिग्री तक दर्ज हो चुका है।मौसम विभाग के अनुसार अभी इसी प्रकार के मौसम बने रहने की संभावना है। अभी लू का असर बना रहेगा। बादल छाने के साथ एक दो दिन में हल्की बूंदाबांदी की भी संभावना बनी हुई है। मंगलवार को भी शाम के समय अचानक बूंदाबांदी होने लगी थी। हवाओं का रूख परिवर्तित हो रहा है। कभी उत्तरी क्षेत्र से कभी पूर्वी पश्चिमी हवाएं चल रही है। पूर्वी हवाओं के कारण लू की संभावना बनी हुई है। गर्मी का असर तेज होने के कारण अस्पतालों में मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या में इजाफा होने लगा है। जिला अस्पताल की ओपीडी में बीते दिनों की अपेक्षा अप्रैल के प्रथम दिन से ही काफी अंतर आ गया है। अस्तपाल में पहले दिन बीते सप्ताह के प्रथम दिन की तुलना में 170 मरीजों की अधिक संख्या दर्ज हुई है। अब यह संख्या 660 तक पहुंची रही है।

गेहूं एवं चना उपार्जन की सभी तैयारीयां सुनिश्चित की जाए : कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी

इसी सप्ताह स्वरोजगार के सभी प्रकरणों के क्लेम बैंक में प्राथमिकता से लग जाए

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संभाग के हरदा बैतूल एवं नर्मदापुरम जिले के कलेक्टर को निर्देश दिए कि वह गेहूं एवं चना उपार्जन की सभी पूर्व तैयारियां सुनिश्चित करे। जहां बारदाने का इशू आ रहा है वहां प्राथमिकता से बारदाने की समस्या को दूर कर उपार्जन केन्द्रों में बारदाने की उपलब्धता निश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि जहां जहां सरसों की खरीदी की जाने वाली है वहां वहां पर भी सभी तैयारी सुनिश्चित की जाए। उपार्जन केंद्रों पर किसानों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। कमिश्नर ने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए कि प्रारंभ हुई इसी नवीन शैक्षणिक सत्र में शिक्षकों की स्कूलों में उपस्थित माय शिक्षक एप के माध्यम से लगवाई जाए। सभी शिक्षक एवं विद्यार्थियों की स्कूलों में शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। सभी विद्यार्थियों का नामांकन प्राथमिकता से करते हुए पाठ्य पुस्तकों एवं साइकिल का वितरण भी किया जाए। बताया गया कि अभी भी कई शिक्षक माय शिक्षक ऐप से अपनी उपस्थिति सुनिश्चित नहीं कर रहे हैं, जिससे माय शिक्षक एप में गैप बना हुआ है। बताया गया की नर्मदापुरम में 983, हरदा में 363 एवं बैतूल में 312 शिक्षक अभी भी माय शिक्षक ऐप से अपनी उपस्थिति नहीं लगा रहे हैं। कमिश्नर ने इस स्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि सभी शिक्षकों की उपस्थिति माय शिक्षक एप के माध्यम से ही लगाई जाएगी। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी एवं डीपीसी को तत्संबंध में उक्त व्यवस्था को प्रभावी तरीके से लागू करने के निर्देश दिये। बताया गया कि नर्मदापुरम में 87 प्रतिशत बैतूल में 100 प्रतिशत एवं हरदा में 87 प्रतिशत छात्र-छात्राओं को नामांकन नंबर अलांट कर दिया गया है। कमिश्नर ने स्वरोजगार योजनाओं में प्राप्त सभी क्लेम के प्रकरण बैंकों में प्राथमिकता से लगाने के निर्देश दिए। साथ ही निर्देशित किया कि उद्योग विभाग बैंक में लगाए गए सभी क्लेम के प्रकरणों में स्वरोजगार हेतु हितग्राहियों के लिए ऋण राशि स्वीकृत कराना भी सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए कि वे डीएलसीसी की बैठक शीघ्र ही आयोजित कर सभी क्लेम के प्रकरणों में बैंक से स्वीकृति प्रदान कराना सुनिश्चित करें।

समेरिटंस प्राचार्य प्रेरणा रावत को मातृशोक

नर्मदापुरम (निप्र)।समेरिटंस स्कूल सांदीपनी परिसर मालाखेड़ी की प्राचार्य श्रीमती प्रेरणा रावत की माताजी और न्यायालय में कार्यरत ज्ञानेंद्र रावत की सासू माँ श्रीमती सुषमा भट्ट उज्जैन का मंगलवार प्रात: आकस्मिक निधन हो गया। वे करीब

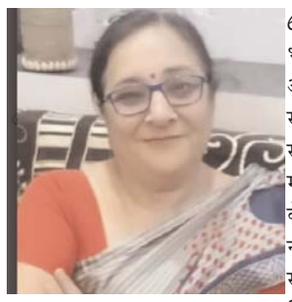

62 वर्ष की थी। श्रीमती भट्ट का जीवन बहुत ही आदर्शों और सिद्धांतों भरा रहा। वे एक कर्मठए साहसी और धर्मनिष्ठ महिला थी। पति ने निधन के बाद भी उन्होंने साहस नहीं खोया और बच्चों को संस्कार देने के साथ ही शिक्षा दिलाई। उनके निधन का समाचार मिलते ही समेरिटंस परिवार में शोक की लहर छा गई। समूह के सभी विद्यालयों में श्रद्धांजलि सभाओं का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समूह के डायरेक्टर डॉ आशुतोष कुमार शर्मा ने उनके निधन को परिवार के लिए अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि माताजी भले ही सशरीर अब हमारे बीच नहीं हैंए लेकिन उनके आदर्श और सिद्धांत सदैव हमारे लिए मार्गदर्शक रहेंगे। ईश्वर उनकी पवित्र आत्मा को शान्ति प्रदान करे और परिजनों को इस गहन पीड़ा को सहने की शक्ति दे।

पीएम आवास योजना के तहत अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूरा करवाया जाना सुनिश्चित करें सभी सीएमओः कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए प्रत्येक घटकों के लिए अतिरिक्त प्रयास करें सभी निकाय

कलेक्टर ने नगरी निकायों के अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं अभियानों की समीक्षा कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने नगरीय निकायों की समीक्षा करते हुए उपस्थित मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को पीएम आवास योजना 1.0 एवं 2.0, स्वच्छता सर्वेक्षण, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आवारा श्वानों के प्रबंधन के लिए जारी दिशा निर्देशों के पालन तथा समस्त नगरीय निकायों में ईऑफिस के माध्यम से फाइलों के परिचालन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर एवं पीओ डूडा श्री देवेंद्र सिंह सहित समस्त सीएमओ एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 के तहत अपूर्ण आवास शीघ्र पूर्ण किए जाएं

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 के अंतर्गत नगरीय निकायों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने योजना के तहत पूर्व में स्वीकृत आवासों की संख्यात्मक जानकारी, पूर्ण एवं अपूर्ण आवासों की स्थिति तथा अपूर्णता के कारणों सहित विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने

निर्देशित किया कि जिन आवासों की राशि हितग्राहियों को हस्तांतरित की जा चुकी है, लेकिन निर्माण कार्य अभी तक प्रारंभ नहीं हुआ है, ऐसे मामलों में संबंधित हितग्राहियों को नोटिस जारी कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी सीएमओ को निर्देशित किया कि योजना के प्रत्येक बिंदु पर गंभीरता से कार्य करते हुए नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें।

साथ ही 30 जून की समय-सीमा निर्धारित कर ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने प्लिंथ स्तर, छत स्तर, अपूर्ण, आरआरसी तथा अप्रारंभ आवासों की पृथक-पृथक जानकारी तैयार कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारियों (सीएमओ) को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता पर करते हुए अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त कलेक्टर ने आरआरसी से संबंधित सभी प्रकरणों में राजस्व अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर उनका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। साथ ही पीएम आवास योजना 2.0 के तहत भी पट्टा वितरण की कार्यवाही ने गति लाई जाए एवं प्राप्त आवेदनों के विरुद्ध पात्र आवेदनों को अगले स्तर पर प्रेषित करें एवं जियो टैगिंग के लिए लंबित आवेदनों में भी शीघ्र ही जियो टैग किया जाना सुनिश्चित करें।

रबी विपणन वर्ष 2026-27

गेहूं उपार्जन के सुचारू क्रियान्वयन हेतु गठित किया गया दल

नर्मदापुरम (निप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, म.प्र. शासन द्वारा दिए निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए सुचारू क्रियान्वयन के लिए FCI पर प्राथमिकता से गेहूं का भंडारण किया जाना है। तत्संबंध में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा इटारसी में इस कार्य के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) इटारसी निलेश कुमार शर्मा की अध्यक्षता में एक दल गठित किया है, जिसमें कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी इटारसी खाद्य विभाग जुबेर काजी, शाखा प्रबंधक इटारसी म.प्र. वेयरआउसिंग एवं लॉ0 कॉर्पोरेशन नंद किशोर वेदी, प्रदाय केन्द्र प्रभारी म.प्र. स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन कमलेश शुक्ला इटारसी एवं सहायक जिला कार्यालय नर्मदापुरम म.प्र. स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन श्रीमती ज्योति पटेल शामिल हैं। उक्त दल द्वारा FCI से आवश्यक समन्वय, रिक्त क्षमता का समय-समय पर भौतिक सत्यापन, लोडिंग व्यवस्था का निरीक्षण, लेबर आदि की उचित व्यवस्था का पर्यवेक्षण और उत्पन्न होने वाली समस्याओं के निराकरण किया जाएगा।

गेहूं उपार्जन 2026-27 : 145 गेहूं उपार्जन केन्द्र निर्धारित

निर्धारित केन्द्रों पर निरीक्षण और पर्यवेक्षण के लिए पटवारियों की नोडल के रूप मे लगाई गई ड्यूटी

नर्मदापुरम (निप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, म.प्र. शासन द्वारा जारी उपार्जन नीति के क्रियान्वयन हेतु निर्धारित एसओपी अनुसार रबी विपणन वर्ष 2026-27 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए जारी निर्देशानुसार 10 अप्रैल, 2026 से 5 मई, 2026 तक जिले में गेहूं उपार्जन का कार्य संपादित किया जाना है। तत्संबंध में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा कुल 145 गेहूं उपार्जन केंद्र निर्धारित किए गए हैं। जारी आदेशानुसार कलेक्टर सुश्री मीना द्वारा निर्धारित उपार्जन केन्द्रो पर आवश्यक भौतिक एवं मानव संसाधन के संबंध में निरीक्षण हेतु संबंधित पटवारियों की नोडल अधिकारी के रूप में ड्यूटी लगाई गई है। ये अधिकारी /कर्मचारी केंद्रों पर उपस्थित रहकर गुणवत्तायुक्त उपार्जन और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे। तथा शासन द्वारा जारी उपार्जन नीति और एसओपी का पूर्ण पालन सुनिश्चित करेंगे।

नपा के प्रतिपक्ष नेता ने विशेष सम्मेलन में रखा रामगंज के नागरिकों का पक्ष

नर्मदापुरम (निप्र)। नगर पालिका के नेता प्रतिपक्ष अनोखे राजोरिया ने परिषद के विशेष सम्मेलन में कहा कि हम सब जनता के प्रतिनिधि हैं उनकी भावना को समझना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि नपा के पुराने वार्ड 6 व नया वार्ड नं 4 के नागरिकों की मांग है कि रामगंज मोहल्ला में पूर्व के बने मंगल भवन को तोड़कर नए मंगल भवन का कार्य पूर्ण हो गया है। जिसके नामकरण को लेकर वार्ड के वांसिदों का आग्रह है कि मंगल भवन का नाम डॉ भीमराव अंबेडकर नाम पर रखा जाए। इस क्षेत्र के चार पूर्व पार्षदों सहित वार्ड के नागरिकों की मांग को ध्यान में रखते हुए मंगल भवन का नाम अंबेडकर भवन ही होना चाहिए। पार्षद राजोरिया ने परिषद के सामने यह पक्ष रखते हुए उनकी बात को प्रोसिडिंग में लिखने का आग्रह करते हुए कहा कि मंगल भवन के नामकरण से पूर्व उस क्षेत्र के नागरिकों के साथ वार्ड में एक बैठक होनी चाहिए। उसमें जो निष्कर्ष निकले उसके अनुसार ही नामकरण करना चाहिए। वार्ड के नागरिकों की मांग की प्रतिलिपि विधायक डॉ सीतासरन शर्मा तथा कलेक्टर को भी दी गई है। मांग करने वालों ने यह भी आग्रह किया है कि यदि मंगल भवन का नाम बाबा साहेब के नाम पर नहीं किया जा सके तो सिर्फ मंगल भवन ही रखा जाए किसी अन्य नाम से नामकरण ना किया जाए।

तीन दिवसीय होगा भगवान श्री परशुरामजी प्रकटोत्सव, तैयारी हुई तेज

नर्मदापुरम (निप्र)।। भगवान श्री परशुराम प्रकटोत्सव समिति व सर्व ब्राह्मण समाज नर्मदापुरम के द्वारा पूर्व के 40 वर्षों की तरह इस वर्ष भी भगवान परशुराम का प्रकटोत्सव भक्तिभाव व उत्साह से मनाए जाने के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। आयोजन को लेकर गीता मेरिज पैलेस आईटीआई रोड नर्मदापुरम में समिति की बैठक के बाद समिति द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई है। समिति के पं दिनेश तिवारी और रामकुमार गुबरेले ने बताया कि भगवान परशुराम का प्रकटोत्सव तीन दिवसीय रहेगा। बीते वर्षों की तरह महिला मंडल का सांस्कृतिक कार्यक्रम तिलक भवन में 17 अप्रैल को तिलक भवन सेठानी पर होगा। 18 अप्रैल को सायं काल में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी एवं 19 अप्रैल को भगवान परशुराम के प्रकटोत्सव पर पूजन अर्चन के कार्यक्रम गोपाल मंदिर में होंगे।

उर्वरक विक्रेताओं को शत-प्रतिशत ई-टोकन प्रणाली से वितरण के निर्देश; कृषि विभाग द्वारा सघन निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। उपसंचालक कृषि, जिला नर्मदापुरम के निर्देशानुसार कृषि विभाग के अमले द्वारा विकासखंड माखननगर के विभिन्न नीजी उर्वरक विक्रेताओं का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस कार्यवाही का मुख्य उद्देश्य किसानों को सुलभता से खाद उपलब्ध कराना और वितरण प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। निरीक्षण के दौरान कृषि विभाग के अधिकारियों ने स्टॉक रजिस्टर, पीओएस (POS) मशीन और भौतिक स्टॉक का मिलान किया। निरीक्षण दल द्वारा सभी उर्वरक विक्रेताओं को कड़े निर्देश दिए गए हैं कि खाद का वितरण केवल और केवल ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से ही किया जाए। बिना ई-टोकन के किसी भी कृषक को उर्वरक विक्रय न किया जाए।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com